हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 7 जुलाई 2024

तापमान

अधिकतम 32 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .0 डिग्री

8 सीएम फ्लाइंग टीम ने किया पौधरोपण

8 बीडीपीओ बनी रितु शर्मा को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

12 ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

जींद। सीआईए स्टाफ सफीदों ने हुडा सैक्टर से एक युवक को काबू कर कब्जे से 12 ग्राम हेरोइन बरामद की है। शहर थाना सफीदों पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि हुडा सैक्टर में एक युवक नशीले पदार्थ बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को काबू कर लिया।

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत

कैथल। ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। युवक फतेहाबाद के गांव झांडली का रहने वाला था व शहर में एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन की नौकरी करता था। जीआरपी चौकी इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि युवक का शव करनाल रोड फाटक पर रेलवे लाइन पर पड़ा है। जब वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव की तलाशी ली।

कार की टक्कर से बाइक सवार बाप-बेटी घायल

जींद। गांव किलाजफरगढ़ के निकट तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार बाप व बेटी घायल हो गए। जुलाना थाना पुलिस घायल युवती की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव हथवाला निवासी पूजा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह जींद निजी बैंक में कार्यरत है।

महावीर अवार्ड के लिए 30 तक करें आवेदन

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि भगवान महावीर फाउंडेशन द्वारा 28वें महावीर अवार्ड के लिए चार क्षेत्रों क्रमशः अहिंसा व शाकाहार, शिक्षा, दवा व समुदाय और सामाजिक सेवा में आवेदन आमंत्रित किए हैं अंतिम तिथि 30 जुलाई तय है। फाउंडेशन द्वारा उपरोक्त चार क्षेत्रों में पुरस्कार दिए जाने हैं, जिनमें प्रत्येक क्षेत्र में विजेता को 10 लाख रुपये प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह दिया जाएगा।

समय पर पैसे नही दिए तो गारंटर को पीटा

जींद। रुपयों के लेन-देन में गारंटर बने युवक ने समय पर रुपये नही लौटाए तो आरोपितों ने गारंटर के साथ मारपीट की। सदर थाना सफीदों पुलिस ने पीडित की शिकायत पर चार आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुनील ने शिकायत में बताया कि उसकी बुढ़ाखेड़ा निवासी सुमित व गांव सिल्लाखेड़ी निवासी बिट्टू के साथ दोस्ती रही है।

प्रताड़ित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

कैथल। क्षेत्र अंतर्गत एक कालोनी की एक बेटी के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में थाना महिला पुलिस की लेडी एचसी रेनु ने पीड़िता के पति गांव चांदी जिला रोहतक निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 4 दिसंबर 2022 को अमित उपरोक्त के साथ हुई थी।

महिला- युवती संदिग्ध हालात में लापता, केस

जींद। अलग-अलग स्थानों से महिला तथा युवती के गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलों की जांच कर रही है। गांव सिंसर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसकी 15 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई।

चोरी की बाइक सहित आरोपित गिरफ्तार

कैथल। दोपहिया वाहन चोरों पर शिकंजा कसते थाना शहर पुलिस ने चोरी की बाइक सहित एक आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना शहर पुलिस के एचसी बलजोर सिंह की टीम शाम के समय गश्त दौरान खुराना रोड कैथल पर मौजूद थी। सहयोगी सुत्रो से पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी।

जल्द ही स्वास्थ्य विभाग करवाएगा उद्घाटन

नागरिक अस्पताल में आईसीयू तैयार, गंभीर मरीज होंगे दाखिल

आईसीयू चलाने के लिए एक फिजीशियन व एक एनेस्थीसिया चिकित्सक मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला के लोगों के लिए खुशखबरी है। नागरिक अस्पताल में आईसीयू पूरी तरह से तैयार हो गया है। अब आईसीयू में गंभीर मरीजों को दाखिल किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन को आईसीयू चलाने के लिए एक फिजीशियन व एक एनेस्थीसिया चिकित्सक मिल गया है। आईसीयू शुरू होने से जिले के मरीजों को लाभ होगा व गंभीर मरीजों का रेफर नही किया जाएगा। जल्द ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा आईसीयू का उद्घाटन भी करवाया जाएगा। हालांकि आईसीयू अभी भी चल रहा है और इसका लगातार ट्रायल लिया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन के पास पैरामेडिकल स्टाफ पहले से ही मौजूद है।

दो साल से चल रहा था आईसीयू निर्माण का कार्य नागरिक अस्पताल में पिछले दो साल से आईसीयू के निर्माण का कार्य चल रहा है। पिछले काफी समय से तो इसका कार्य ही पूरा नहीं हुआ। इसके बाद यहां लगे एयर कंडीशनर ने काम नहीं किया। स्वास्थ्य विभाग ने पीडब्ल्यूडी को इसके लिए कई पत्र लिखे लेकिन काम नही हुआ है। पिछले महीने स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक ने नागरिक अस्पताल का दौरा किया और आईसीयू शुरू करने के निर्देश दिए। इसके बाद डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने पीडब्ल्यूडी व स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक लेकर जो कमियां थी, उनको पूरा करने को कहा। इसके बाद जाकर ही आईसीयू का कार्य पूरा हो पाया। अब पिछले सप्ताह से आईसीयू ट्रायल बेस पर चल रहा था। ट्रायल के दौरान कुछ कमियां पाई गईए जिनको दूर किया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विभाग धीरे-धीरे गंभीर मरीजों को आईसीयू में दाखिल कर रहा है।

लोगों को होगा लाभ, नहीं किए जाएंगे गंभीर मरीज रेफर

जींद। नागरिक अस्पताल में तैयार किया गया आईसीयू। *फोटो :हरिभूमि*

गंभीर मरीजों को करना पड़ता था रेफर

जिले के गंभीर मरीजों को यहां आईसीयू नहीं होने के कारण रोहतक पीजीआईएमएस मेडिकल कॉलेज अग्रोहा या फिर मेडिकल कॉलेज खानपुर रेफर करना पड़ता था। इससे मरीजों के साथ-साथ उनके तीमारदारों को भी परेशानी होती थी। अब आईसीयू शुरू होने से गंभीर मरीजों को यहां से रेफर नहीं करना पड़ेगा।

फिजीशियन और एनेस्थीसिया के चिकित्सक ने ज्वायन किया

सीएमओ डा. गोपाल गोयल ने बताया कि जल्द ही आईसीयू का औपचारिक रुप से उद्घाटन करवाने का प्रयास शुरू कर दिया है। अस्पताल में फिजीशियन तथा एनेस्थीसिया के चिकित्सक ने 'वाइन कर लिया है। अब आईसीयू को चलाने में आसानी होगी।

डाक्टरों आ रही थी दिक्कत

आईसीयू को चलाने के लिए कम से कम दो एनेस्थीसिया व दो फिजीशियन की जरूरत होती है। एनेस्थीसिया चिकित्सक तो नागरिक अस्पताल में थे लेकिन फिजीशियन एक ही था। अब नागरिक अस्पताल में फिजीशियन डा. नरेश वर्मा तथा एनेस्थीसिया डा. मृत्युंजय ने 'वाइन कर लिया है। इससे आईसीयू को चलाने में काफी मदद मिलेगी।

सीवन। कैथल पटियाला मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी करते किसान।

कैथल-पटियाला मुख्य सड़क पर लगाया जाम

बिजली की समस्या पर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

बिजली की समस्याओं को लेकर सीवन के किसानों ने सीवन के बिजली बोर्ड के सामने कैथल पटियाला मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। थाना प्रभारी सुरेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी व बिजली बोर्ड के एसडीओ आशीष गौतम ने किसानों को उनकी समस्या का जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया और जाम खुलवाया।

किसान हरि किशन तनेजा, नरेश गौतम, पलविन्द्र सिंह, सुखविन्द्र सिंह, सुखवंत सिंह, राज कुमार, अन्नु मदान, शेर सिंह पम्मा, गुरमेल, लखविन्द्र सिंह, काबल सिंह, प्रगट सिंह, प्रीतपाल व अन्य ने बताया कि सीवन बिजली बोर्ड से सीवन व अस्पताल फीडर हैं जिन पर 24 घंटे वाली लाइट नहीं है। इन दोनों फीडरों पर पैट ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। लेकिन वह काम नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें चलाने के लिए कर्मचारी नहीं है। इस कारण से डेरों को न तो सिंगल फेस लाइट मिल पा रही है और न ही पूरी लाइट मिल पाती है। डेरों में रहने वाले लोगों को कारण से बहुत समस्या का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना था कि गर्मी का मौसम है और मच्छरों की भरमार है। ऐसे में बिना बिजली के रहना बहुत कठिन है। बिजली के बिना न तो पेयजल उपलब्ध हो पाता है और न ही पशुओं के लिए ही पानी मिल पाता है। इसके लिए वह कई बार विभाग के अधिकारियों से मिल चुके हैं।

जल्द किया जाएगा समाधान

गौतम बिजली बोर्ड सीवन के एस.डी.ओ. आशीष गौतम ने बताया कि उनके पास किसान अपनी अपनी समस्या लेकर आए थे कि डेरों में बिजली की किल्लत है। उनकी समस्या का समाधान बहुत ही जल्द कर दिया जाएगा। लोगों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

फौजी को यूनिट का साथी बता लगाया एक लाख रुपये का चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इम्पलॉयज कालोनी में छुट्टी आए फौजी को यूनिट का साथी बता एक लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। साइबर थाना पुलिस ने फौजी की पत्नी की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इम्पलॉयज कालोनी निवासी सुमन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति कर्मबीर असम राइफल में मणिपुर में तैनात है। मार्च में उसका पति घर छुट्टी आया हुआ था। गत 28 मार्च को उसने घर वाले नंबर पर कॉल आई। जिसमें उसके पति को उसकी यूनिट का फौजी बताया और पारिवारिक दिक्कत बताते हुए रुपयों की जरूरत बताया। जिस पर उसके पति ने यूनिट का सहयोगी जान कर एक लाख रुपये तीन ट्रांजेक्शन में उस व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिए। जिसके बाद संदेह होने पर उसके पति ने यूनिट में संपर्क साधा तो धोखाधड़ी के बारे में पता चला। जिसकर शिकायत पोर्टल उसी दौरान दर्ज करा दी थी। साइबर थाना पुलिस ने सुमन की शिकायत पर अज्ञात लोगो के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

39 लाख की ठगी का आरोपी तीन दिन के पुलिस रिमांड पर

कैथल। युवक को अमेरिका भेजने के नाम पर 39 लाख की ठगी करने के मामले की जांच थाना सदर पुलिस के एएसआई प्रवीन कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव कमालवाला जिला फतेहाबाद निवासी सूरजमल उर्फ सुरजु को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव गुहणा निवासी सुरेश की शिकायत अनुसार उसका बेटा मनीष विदेश जाने का इच्छुक था। उनके पड़ोसी शिव कुमार ने बताया कि उसके सगे मामा का लड़का गांव कमाल आला जिला फतेहाबाद निवासी सूरजमल युवाओं को विदेश भेजने का काम करता है। वह शिव कुमार को अपने साथ लेकर 15 दिसंबर 2022 को सुरज के पास टोहाना उसके ऑफिस में चला गया। वहां उन्हें सुरजु व बलियाला जिला फतेहाबाद निवासी जगमोहन मिले। सुरेश के अनुसार, आरोपियों ने बताया वीजा लगने के बाद पासपोर्ट, कॉन्ट्रैक्ट एजेंट का ब्योरा परिजनों के पास छोड़ें कि वे उसके बेटे का अमेरिका का वीजा लगवा देंगे व 45 लाख रुपये लेंगे।

मुनाफे का लालच देकर 53 लाख की राशि ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

पार्ट टाइम ऑनलाइन जॉब करने और मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर अज्ञात आरोपितों ने युवक को टेलिग्राम ग्रुपों में जोडकर डिटेल हासिल कर ली। बाद में अलग-अलग तरीके से 53 लाख 15 हजार 91 रुपये ठग लिए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सेक्टर-19 निवासी चिराग ने साइबर थाना में शिकायत दी कि दो जून को मोबाइल नंबर पर कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे कहा कि क्या आप ऑनलाइन पार्टटाइम जॉब करना चाहते हो। उसने कहा कि किस तरह की जॉब उसे मिलेगी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसको अंजू नाम की टेलिग्राम आईडी पर मोबाइल नंबर भेजने को कहा। उसने नंबर भेज दिया। आरोपी ने चैट शुरू कर दी उसका नाम, उम्र, व्यवसाय और भाषा की सारी सूचना ले ली। फिर अंजू नाम की लडकी ने कमिशन देने के लिए उसकी यूपीआई आईडी ले ली। आरोपी ने चैट में लिखा कि आपको गूगल मैप पर जाकर होटल की रेटिंग व रिव्यू करना है। पहले रिव्यू पर आपको 200 रुपये मिलेंगे। अगले एक से छह टास्क करने पर पर 500 रुपये, 5 टास्क की सैलरी 200 व एक डाटा टास्क की कमीशन 300 रुपये मिलेंगे। उसने पहला टास्क पूर कर दिया जिस पर आरोपी ने उसके खाते में 200 रुपये डाल दिए। फिर अगला टास्क पूरा करने के लिए उसे टेलिग्राम ग्रुप में जोड़ दिया। आरोपी ने कहा कि अगर वह किसी टास्क में 1050 रुपये लगाएगा तो उसे 1565 रुपये वापस मिलेंगे।

जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

आरोपी ने 1050 रुपये ट्रांसफर करवा लिए और उसे लिंक भेज दिया। लिंक में आरोपी ने ईमेल आईडी को ही यूजरनेम बनाने के लिए कहा। उसने लिंक खोलकर ईमेल पता, पासवर्ड व सिक्योरिटी कोड भर दिया और रजिस्टर कर स्क्रीन शॉट अन्जू वाली आईडी पर भेज दिया। उसके बाद अंजू ने अन्य लिंक संदीप सिंह के नाम से दिया। उसने संदीप सिंह वाली आईडी पर मैसेज डाला तो आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर व यूजरनेम पूछ लिया। आरोपियों ने अलग-अलग तरीके से उसके 29 हजार 632 रुपये टास्क में लगवा दिए और उसे कोई पैसा वापस नहीं दिया। इस बारे में उसने आरोपियों से बातचीत की तो उन्होंने उसे लाखों रुपये का मुनाफा दिखाकर और मुनाफे को निकलवाने के लिए उससे 53 लाख 15 हजार 91 रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए। रुपये लगाने के बाद भी जब उसकी जमा राशि नहीं निकली तो उसे ठगी होने का पता चला। शिकायतकर्ता ने कहा कि ऐसा करके अज्ञात आरोपियों ने उसके 53 लाख 15 हजार 91 रुपये ठग लिए। जांच अधिकारी जसबीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

किसानों ने नारेबाजी कर जताया रोष

- बिजली निगम से ढीले और टूटे तारों को जल्द बदलने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के सजूमा रोड पर खेत-खलिहानों में बिजली निगम लाइन के ढीले और टूटे बिजली के तारों को लेकर किसानों ने रोष प्रदर्शन किया। मामू राणा, राजेंद्र सिंह, पवन राणा, हरनाम सिंह, गोपाल, शेरू, सोमपाल राणा और दूसरे किसानों ने कहा कि काफी समय से किसान हादसे के साये में फसल पैदा कर रहे हैं। उस समय उनकी जान पर बन आती है जब कई बार खेतों में काम करते बिजली के तार नीचे गिर जाते है। किसान पहले ही संकटों से घिरकर खेती करता है। रही सही कसर निगम अधिकारी पूरी कर रहे हैं। निगम ने समय पर सुधारीकरण कार्य पूरा न करने पर तार जमीन को छू रहे है। बिजली के पोलों की स्थिति बेहद नाजुक है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द निगम अधिकारियों ने समस्या का हल नही किया तो वे सीएम को शिकायत करेंगे। कहा कि सरकार हर वर्ष बिजली सुधारीकरण के लिए अलग से बजट जारी करती है। इसके तहत टूटे-ढीले तारों को बदलने और झुके खस्ता पोलों को बदलने का कार्य पूरा करना होता है। लेकिन जो हालात बिजली लाइन के बने हैं उसके चलते अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार ने जारी बजट को किस तरह व्यय किया गया जांच जरूरी है।

अपने खर्च पर करेगा निगम सुधारीकरण

कलायत उप मंडल बिजली निगम एसडीओ अंकित कुमार ने बताया कि अव्यस्थित बिजली तारों व पोलों को दुरूस्त रखने के लिए कनिष्ठ अभियंता व लाइन मैन टीम को निरंतर निर्देश रहते हैं। जहां कहीं भी इस प्रकार की दिक्कत है उसका स्पेशल प्रारूप तैयार कर सुधारीकरण कार्य किया जाता है। जिन किसानों को इस प्रकार की समस्या है वे निगम कार्यालय को लिखित में स्थिति से अवगत करवाएं निगम अपने खर्च पर बिजली सुधारीकरण कार्य पूरा करेगा।

चोरी करके भाग रहे साधु वेषधारी को पुलिस को सौंपा

जींद। गांव सिंध्वीखेड़ा में मकान से नगदी चोरी कर कर भाग रहे साधु वेषधारी व्यक्ति को ग्रामीणों ने काबू कर पुलिस के हवाले कर दिया। सदर थाना पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

गांव सिंध्वीखेड़ा निवासी रामशरण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह ड्यूटी पर गया हुआ था। उसकी पत्नी घर में अकेली थी। जो पशुओं को चारा डालने प्लाट में गई हुई थी। पीछे से साधु वेशधारी घर में घुस आया और संदूक से नगदी निकाल ली। उसी दौरान उसकी पत्नी घर पहुंच गई। जिसे देख कर वह भागने लगा। उसकी पत्नी द्वारा शोर मचाए जाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और साधु का पीछा कर उसे काबू कर लिया। जिसकी पहचान राजनगर टोहाना निवासी सोमानाथ के रूप में हुई। जिसे ग्रामीणों ने पुलिस को हवाले कर दिया।

संदिग्ध युवकों का पता बताने वाले को मिलेगा ₹ एक लाख का इनाम

- मकान मालिक ने सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड कर की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

गत 28 जून की रात को देवा सिंह कालोनी में हुई बड़ी चोरी के संदिग्ध युवकों की तलाश को लेकर शिकायतकर्त्ता ने सोशल मीडिया पर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से खुद के फेसबुक अकाउंड से फोटो अपलोड करते संदिग्ध युवकों का पता बताने वाले को एक लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। शिकायकर्ता मा. अमित दुर्जनपुर ने बताया कि देवा सिंह कालोनी स्थित उसके मकान पर 28 जून की रात को अज्ञात युवकों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देते 30 तोले सोने, पांच लाख नकदी एवं आधा किलो चांदी की चोरी की है।

आस-पास के एरिया में सीसीटीवी फुटेज से दो युवक शहर में संदिग्ध घूमते दिखाई दिए। जिस दिन मकान पर चोरी हुई, प्लस प्वाइंट पाठशाला के पास मकान का ताला तोड़ा गया उस दिन ये युवक चोरी की घटनाओं वाली जगह के आस-पास संदिग्ध रूप से घूमते दिखाई दिए है।

सोशल मीडिया पर अपलोड की संदिग्ध युवकों की फुटेज से ली फोटो।

घटना को आठ दिन हो चुके

मा. अमित दुर्जनपुर ने बताया कि इन दोनों युवकों की सीसीटीवी फुटेज से फोटो लेकर पहले भी सोशल मीडिया पर अपलोड कर पता करने की कोशिश की गई। चोरी की घटना को आठ दिन हो चुके है। ऐसे में इन युवकों की फोटो दोबारा से संदिग्ध युवकों का पता लगाने के लिए सोशल मीडिया अपलोड की है। इनका पता बताने वालों को एक लाख रुपये की राशि नगद देने के साथ उनका नाम गुप्त रखा जाएगा।

आज भी बनेंगे अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के लाभार्थियों के कार्ड

कैथल में 32 हजार हैप्पी कार्ड वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के लाभार्थियों के हैप्पी कार्ड अब रविवार को भी बनेंगे। रोडवेज विभाग की ओर से कैथल बस स्टैंड पर रविवार को भी कार्यालय खुलेगा। इस दिन कर्मचारी लोगों के हैप्पी कार्ड बनवाएंगे। अब सप्ताह में सातों दिन हैप्पी कार्ड का कार्यालय खुला रहेगा। विदित रहे कि इससे पहले रविवार को अवकाश होने के दौरान कार्ड जारी नहीं किए जाते थे, हालांकि शनिवार को रोडवेज कर्मी कार्ड जारी कर रहे थे। लोगों को किसी प्रकार की कार्ड लेने में परेशानी न आए। इसके लिए रोडवेज विभाग की तरफ से रविवार को भी कार्ड बांटने का निर्णय लिया है। शुरूआत में लोगों की संख्या ज्यादा होने के कारण लाइनें लगी थी, लेकिन अब लाइनें कम हो गई है। लोग सुबह नौ बजे से शाम के 4 बजे तक कभी भी कार्ड ले सकते है। विदित रहे कि कैथल जिला में करीब 81 हजार हैप्पी कार्ड रोडवेज विभाग की तरफ से वितरित करने हैं। जिनमें से 32 हजार के करीब कार्ड बांट दिए गए हैं। शनिवार को शाम के करीब चार बजे तक 800 कार्ड बांटे गए है। महिलाओं व बुजुर्गों को अलग से कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद आचार सहित खत्म होते ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश के परिवहन मंत्री असीम गोयल ने करनाल में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर इस स्कीम का शुभारंभ किया था। वहीं सभी जिलों में ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया था। वैसे तो मार्च के महीने से पहले हैप्पी कार्ड के लिए लोगों ने आवेदन करना शुरू किए थे। उसके बाद में चुनावो के चलते इस कार्यक्रम को कुछ दिन के लिए रोक दिया गया था। योजना की घोषणा पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर नहीं की थी।

हैप्पी कार्ड लेने वालों की लगी भीड़।

40 कर्मचारियों की कार्ड वितरण के लिए लगाई ड्यूटी

रोडवेज महाप्रबंधक कमलजीत सिंह ने बताया कि अब तक जिलेभर में 32 हजार कार्ड बांट दिए है। 81 हजार कार्ड बांटने है। सभी लाभार्थियों के पास फोन पर संदेश भेजे जा रहे हैं। किसी भी व्यक्ति को कार्ड वितरण में परेशानी नहीं आने दी जा रही है। रविवार को भी कार्ड वितरित करने शुरू कर दिए है। 40 कर्मचारियों की स्पेशल कार्ड वितरण पर ड्यूटी लगाई गई है। सभी लोगों से आह्वान है जल्दी-जल्दी बस स्टैंड कार्यालय पर आकर अपना हैप्पी कार्ड लें।

सफीदों। गली का शुभारंभ करते जिलाध्यक्ष राजू मोर व अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

नारियल फोड़कर किया गली निर्माण का शुभारंभ

सफीदों। भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर व पालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय अधलखा ने नगर के वार्ड नंबर 3 स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर से शमशान घाट गली का शुभारंभ नारियल फोड़कर किया। शुभारंभ के उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर ने बताया कि 700 मीटर लंबाई वाली गली के निर्माण पर लगभग 58 लाख रु खर्च होंगे और इस गली के निर्माण के बाद जनता को भारी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि सफीदों में विकास की झड़ी लगी हुई है व सफीदों में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। सफीदों के विकास कायारें की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। अपने संबोधन में पालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय अधलखा ने कहा कि सफीदों नगर के विकास कार्य लगातार चल रहे हैं और सरकार विकास कायारें को लेकर ग्रांट भेजी जा रही है। रामनिवास सेठू, सुनील आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मकान मालिक जागे तो भागा चोर, मामला दर्ज

जींद। गांव घसो कलां में चोरी के लिए घर में घुसा व्यक्ति मकान मालिक के जागने पर फरार हो गया। उचाना थाना पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव घसो कलां निवासी सुशील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसे घर में किसी के घुसने का अहसास हुआ।

पेड़ पौधे से ही पर्यावरण रहता है शुद्ध : नरेंद्र नाडा

जींद । सामाजिक संस्था सोसायटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार को अर्बन एस्टेट स्थित पार्क में पौधरोपण किया। संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया यह 387वां अभियान था। सेव संस्था के सदस्यों ने पार्क में 22 पौधे लगाए और साफ -सफाई की। पौधरोपण अभियान चला कर यह संदेश देने का प्रयास किया है कि पौधे लगाने में सभी लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

खेत में बने कमरे से एसी और अन्य सामान चोरी

जींद। गांव करसोला में बीती रात चोरों ने खेत में बने कमरे का ताला तोड़ कर एसी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। जुलाना थाना पुलिस ने खेत मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
गांव करसोला निवासी अमरजीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने खेत में बने कमरे में एसी लगाया हुआ था। रात को वह घर आ गया।

प्रदेश में आप की सरकार बनेगी: पवन

उचाना। आम आदमी पार्टी के जन संवाद कार्यक्रम के तहत आप के हिसार लोकसभा अध्यक्ष पवन फौजी उदयपुर, दुर्जनपुर, नचार, काकड़ोद, मंगलपुर, सुरबरा, भौंगरा, उचाना खुर्द गांव पहुंचे। फौजी ने कहा कि मतदाता बदलाव का मन बना चुके है। इस बार प्रदेश में आप की सरकार बनेंगी। हलके के मतदाता बदलाव का मन बना चुके है।

रणबीर सिंह उपप्रधान दिनेश महासचिव बने

जींद । श्री विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण धर्मशाला सभा पांडू पिंडारा में प्रधान बंटी दालमवाला की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पांडू पिंडारा धर्मशाला कि नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें उप प्रधान कि जिम्मेदारी रणबीर सिंह और कृष्ण को दी गई। महासचिव दिनेश चंद्र, कोषाध्यक्ष सुंदरलाल और प्रेस सचिव कि जिम्मेदारी अंकित शर्मा को दी गई।

उचाना का भविष्य है बृजेंद्र सिंह : राममेहर

उचाना। कांग्रेस नेता राममेहर श्योकंद, विनोद श्योकंद एवं अनूप श्योकंद ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता में कहा कि पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह उचाना का भविष्य है। ये उचाना के लिए गर्व की बात है कि आईएएस परीक्षा में टॉप करने वाले पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह उचाना हलके से है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह की राह पर चलते हुए वो निरंतर हर वर्ग के लिए काम कर रहे है।

सूरज रेढू बने प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव

जींद । युवा कांग्रेस अध्यक्ष सूरज रेढू उर्फ मोनू कंडेला की मेहनत को देखते हुए भारतीय युवा कांग्रेस पार्टी हाईकमान ने प्रदेश महासचिव की जिम्मेवारी दी है। सूरज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मेरी मेहनत को देखते हुए उन्हें जो जिम्मेवारी दी है, उस पर वो खरा उतरेंगे व हरियाणा चुनाव में सत्ता परिवर्तन करने के लिए सभी युवा साथियों के साथ अथक प्रयास व मेहनत करेंगे ।

ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी, केस दर्ज

जींद। न्यू बस्ती नरवाना में चोरों ने बीती रात तीन मकानों के ताले तोड़ कर हजारों रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। न्यू बस्ती निवासी राजेश ने बताया कि बीती रात चोरों ने उसके मकान, पड़ोसी ईश्वर तथा राजेंद्र के मकान के ताले तोड़ कर एलईडी, दो मोबाइल फोन, नगदी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया।

सीवरेज युक्त पानी की निकासी न होने से पनप रहे मच्छर

हकीकत नगर में डेंगू और मलेरिया फैलने का खतरा

पिछले एक सप्ताह से सीवरेजयुक्त पानी गलियों में खड़ा, कालोनीवासी परेशानी

हरिभूमि न्यूज. जींद

जींद। हकीकत नगर की गलियों में खड़ा सीवरेजयुक्त गंदा पानी। फोटो :हरिभूमि

एक तरफ स्वास्थ्य विभाग जहां बारिश के मौसम में लोगों को डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाने के लिए जागरूक कर रहा है वहीं अधिकारियों की लापरवाही के चलते पटियाला चौक स्थित हकीकत नगर में पिछले एक सप्ताह से सीवरेज युक्त पानी की निकासी न होने से बीमारी फैलने का खतरा पैदा हो गया है। कालोनी से सीवरेज युक्त पानी की निकासी न हो पाने के कारण यहां मच्छर पनपने लगे हैं। जिसने लोगों को दहशत में डाल दिया है। इसके अलावा पानी से उठने वाली बदबू ने कालोनीवासियों का जीना भी मुहाल कर दिया है। समस्या को लेकर वार्ड पार्षद व अधिकारियों को अवगत करवाया गया है लेकिन समस्या का निदान नही हो पाया है। कालोनीवासियों ने चेताया कि शीघ्र ही सीवरेज समस्या का निदान नही हुआ तो वो ठोस कदम उठाने को मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेवारी प्रशासन की होगी।

एक सप्ताह से सडांध मार रहा सीवर का दूषित पानी

हकीकत नगर निवासी सुनील, सुभाष, सतपाल, विक्की, संजय, सरोज, विद्यावती, अनीता, विजय, हरिओम ने बताया कि गलियों में पिछले एक सप्ताह से सीवरेज का पानी खड़ा है। दो बार बारिश भी हो चुकी है लेकिन गली से सीवरेज पानी की निकासी नही हो पाई है। पानी की निकासी न हो पाने के कारण कालोनी में डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो गया है। इसके अलावा हर समय पानी से उठने वाली बदबू से यहां रहने वाले लोगों का जीना मुहाल हो गया है। इसके अलावा सीवरेज युक्त पानी से ही कालोनीवासियों को गुजरना पड़ रहा है। हर दिन कोई न कोई पानी में गिर कर चोटिल भी हो रहा है।

उठाएंगे ठोस कदम

कालोनीवासियों ने कहा कि सीवरेज युक्त पानी गलियों में खड़ा होने से उनका जीवन नारकीय हो गया है। समस्या को लेकर वार्ड पार्षद को भी अवगत करवाया गया है लेकिन समस्या की जस की तस बनी हुई है। ऐसे में अगर समस्या का समाधान नही हुआ तो वो ठोस कदम उठाने को मजबूर होंगे। कालोनीवासियों ने नगर परिषद अधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से समस्या के निदान की गुहार लगाई है।

गंगा स्नान के लिए किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। श्रद्धालुओं को रवाना करते हुए बलजीत रेढू। फोटो :हरिभूमि

हरिद्वार के लिए बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते हुए बलजीत रेढू ने कहा कि समाज सेवा और अपने क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं, माताओं और बहनों को गंगा स्नान तथा दूसरी धार्मिक यात्राएं करवाने का उनका यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

रेढू ने कहा कि समाज सेवा सभी को करनी चाहिए। उन्हें जितनी सामर्थ्य भगवान और गंगा मैया ने दी है, वह उतनी समाज सेवा कर रहे हैं। हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए रवाना होने वाली माताओं और बहनों ने दोनों हाथ उठाकर बलजीत रेढू को आशीर्वाद दिया और कहा कि गंगा मैया उनकी समाज सेवा की सामर्थ्य को और बढ़ाए। महिलाओं के चेहरे पर गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जाने की खुशी देखते ही बन रही थी। उनके चेहरे खुशी से खिले हुए थे। इसके बाद बलजीत रेढू ने गांव के लोगों से जींद और प्रदेश के ताजा राजनीतिक हालात पर चर्चा की। इस दौरान बलजीत रेढू ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने बीजेपी को उसकी महंगाई, बेरोजगारी, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियों के लिए करारा सबक सिखाया है।

उचाना। पुलिस थाना से आगे जींद की तरफ निर्धाणाधीन किसान सदन।

उचाना में किसान सदन का कार्य जोरों पर चल रहा

उचाना। नेशनल हाइवे पर जींद की तरफ पुलिस थाना से कुछ दूरी पर बन रहे किसान सदन का कार्य जोरों पर चल रहा है। चार दीवारी का काम पूरा होने के बाद बिल्डिंग बनने का काम शुरू हो चुका है। बांगर किसान चैरिटेबल ट्रस्ट उचाना की अगुवाई में बन रहे इसके निर्माण को लेकर सदस्य बनाए गए है तो लोगों से सहयोग राशि भी ली जा रही है। आस-पास के क्षेत्र में ये आधुनिक सदन होगा जहां किसान से लेकर युवाओं, खिलाड़ियों सहित अन्य के लिए सुविधाएं होगी। इसका शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक प्रेमलता सिंह द्वारा भूमि पूजन करके किया गया था। सर छोटूराम के नाती एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह की युवा, किसान हितैषी सोच का एक हिस्सा है। यहां पर किसान सदन का निर्माण करने को लेकर उनके द्वारा दी गई प्रेरणा के बाद ही इसको लेकर कार्य शुरू हुआ। प्रधान बलबीर सफा खेड़ी ने बताया कि देश एवं प्रदेश के अनेक कृषि विश्वविद्यालयों से बातचीत की जाएगी। इन विश्वविद्यालयों की जो टीमें होगी वो किसानों को ट्रेनिंग देगी। परपंरागत खेती के अलावा आधुनिक खेती जिससे किसान की आमदन बढ़े इसके लिए ट्रेनिंग का विशेष प्रबंध करवाया जाएगा।

सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता आयोजित

नरवाना। शनिवार को बेलरखां गाँव में स्थित जनता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में दसवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता करवाई गई। कक्षा छठी से कक्षा नौवीं तक के बच्चों ने अंग्रेजी भाषा के शब्दों के उच्चारण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसी प्रकार निम्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। जिनका परिणाम सोमवार को घोषित किया जाएगा। प्रधानाचार्य प्रदीप चौपड़ा ने बताया कि बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से मानसिक, स्वास्थ्य व शारीरिक रूप से विकास के प्रयास किया जा रहा है।

सर्वोत्तम माता पुरस्कार में पूजा को मिला प्रथम स्थान, नीतू रही द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

नगूरां के आंगनबाड़ी केंद्र पर महिला से प्रश्न पूछती महिला सुपरवाइजर सरोज राठी।

नगूरां गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर सर्कल लेवल पर सर्वोत्तम माता तथा पोषण अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता आंगनबाड़ी वर्कर सुदेश दलाल ने की तथा मुख्य रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग अलेवा की सुपरवाइजर सरोज राठी व बीपीए सत्यवती ने भाग लिया। इस अवसर पर शामदो, चांदपुर तथा नगूरां गांव की महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं से स्वास्थ्य तथा पोषण संबंधित प्रश्न पूछे गए। जिसमें नगूरां गांव से पूजा ने प्रथम तथा नीतू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि तीसरा स्थान मुकेश ने प्राप्त किया।

महिला सुपरवाइजर सरोज राठी ने बताया कि नगूरां गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर सर्कल लेवल पर सर्वोत्तम माता पुरस्कार तथा पोषण अभियान के तहत एक कार्यक्त्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माताओं से स्वास्थ्य तथा पोषण के संबंधित विभागीय पैमानों के आधार पर प्रश्न पूछे गए।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए रखें मेहनत करने पर भरोसा : महिमा श्री

उचाना। पुरानी मंडी के तेरापंथ भवन में साध्वी तिलक श्री ठाणे-3 श्री विराजमान है। यहां पर हर रोज धर्मसभा आयोजित हो रही है। साध्वी महिमा श्री ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने, सफल होने के लिए जो मेहनत करने पर भरोसा करते है वो किस्मत की बात नहीं करते है। जो किस्मत की बात करते है वो जीवन में आगे नहीं बढ़ सकते है। मेहनत से कोई भी मंजिल पाई जा सकती है। किस्मत के सहारे अगर बैठे रहोंगे तो कुछ हासिल नहीं होगा। मेहनत से ही सफलता पाई जा सकती है। जो हम चाहते है वो मुकाम पा सकते है। इसलिए जीवन में मेहनत करें ताकि आगे बढ़ा जा सकें। साध्वी ने कहा कि जीवन में एक नेगेटिव विचार आपको आगे बढ़ने से रोक सकता है। जिस तरह से एक छोटी सी कील गाड़ी की गति को बदल सकती है तो याद रखिए एक छोटा नेगेटिव विचार भी मनुष्य की गति को रोक सकता है। इसलिए हमेशा पॉजिटिव रहे कभी भी नेगेटिव न सोचे न रहे। पॉजिटिव सोच वाले निरंतर आगे बढ़ते रहते है। नेगेटिव सोच वाले आगे बढ़ने की बजाए पीछे चले जाते है।

जीएसटी का पालन करना कठिन : गिल

- कपड़ा मार्केट में प्रदीप गिल ने व्यापारियों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। प्रदीप गिल का स्वागत करते व्यापारी। फोटो :हरिभूमि

बैंक रोड पर स्थित कपड़ा मार्केट में जींद के व्यापारी वर्ग द्वारा जनसभा का आयोजन किया। व्यापारी वर्ग द्वारा आयोजित जनसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप गिल पहुंचे। सभा को संबोधित करते प्रदीप गिल ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने व्यापारी वर्ग को अत्यंत परेशान कर रखा है। हरियाणा में गुंडागर्दी चरम सीमा पर है और व्यापारियों को हर दिन पैसों के लिए धमकियां मिल रही हैं। प्रदीप गिल ने कहा कि व्यापारी वर्ग को ळैज ;वस्तु एवं सेवा कर के जटिल नियमों और उसकी अधिक दरों से भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों के लिए जीएसटी का पालन करना कठिन हो रहा है। जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की जटिलताओं के कारण व्यापारियों की लागत में वृद्धि हो रही है और उनकी लाभप्राप्ति में कमी आ रही है। बताया कि व्यापारी वर्ग को उचित सुरक्षा व सहयोग की आवश्यकता है, जो वर्तमान भाजपा सरकार देने में विफल रही है। सावर गर्ग, सुनील गोयल, अशोक गोयल, सुनील गर्ग, मोहनलाल गर्ग, राजेंद्र शर्मा सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

अलेवा। बधाना अनुसंधान केंद्र पर कार्यक्रम में भाग लेते लोग। फोटो :हरिभूमि

बधाना में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

अलेवा। शहीद कैप्टन पवन कुमार क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बधाना में मधुमक्खी पालन व सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डा. सुरेश कुमार अरोड़ा ने की। इस अवसर पर कृषि विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों को कृषि के साथ-साथ बागवानी, सब्जियों व फू लों के अलावा मधुमक्खी पालन आदि के व्यवसाय के बारे में विभिन्न प्रकार की जानकारी दी। यहीं नहीं कृषि विशेषज्ञों ने फ सलों में होने वाली बिमारियों व उनके उपचार के बारे में भी उपस्थित लोगों को विभिन्न प्रकार की जानकारी देते हुए कृषि के साथ-साथ अन्य खेती करने के तरीकों से अपनी आय बढाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बागवानी केंद्र बधाना के ईंचार्ज सुरेश कुमार मांडा, कृषि विज्ञान केंद्र पांडु पिंडारा से डा. बिजेंद्र यादव, डा. आरडी पंवार, डा. पंकज कुमार, डा. भटनागर आदि कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

सीएम फ्लाइंग टीम ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। पौधे रोपते कर्मी। फोटो :हरिभूमि

गुप्तचर विभाग के डीएसपी रविंद्र कुमार के दिशा-निर्देशन में शनिवार को शुगर मिल में गुप्तचर ईकाई जींद एवं सीएम फ्लाइंग के सदस्यों ने पौधा रोपण किया। इस दौरान कर्मियों द्वारा पीपल, इमली, करी पत्ता, हार श्रंगार, ढाक, गुलमोहर, बेरी, अमरुद, आंवला आदि के 90 पौधे लगाए गए। डीएसपी रविंद्र कुमार ने कहा कि हमारी प्रकृति की सुंदरता पेड़-पौधों पर निर्भर है। मनुष्य के जीवन में पेड़ों का महत्व जल बिन मछली जैसा है। पेड़ों से हमें छाया, मीठे फल, औषधि, लकड़ियां प्राप्त होती है। पेड़-पौधे हमें प्राकृतिक आपदाओं से बचाओं से बचाते हैं। मनुष्य कार्बन-डाइ-ऑक्साइड छोड़ते हैं, जो पौधे सोख लेते है। जितने अधिक पेड़-पौधे होंगे उतना वातावरण में ऑक्सीजन का निवास होगा। पेड़ों को संरक्षित करने के लिए जनजागरण व जनसहयोग की आवयश्कता है। लोगों को जागरूक करने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमारी आने वाली पीढ़ियों को सुखी व समृद्ध बनाने के लिए वन और पेड़ों जैसे प्राकृतिक संसाधनों की अहमियत को समझना होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह एक-एक पौधा अवश्य लगाएं।

उचाना। रितु शर्मा को सूरजमल श्योकंद सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

बीडीपीओ बनी रितु शर्मा को किया सम्मानित

उचाना। एचसीएस परीक्षा में 30वां रैंक प्राप्त कर बीडीपीओ बनी उचाना कलां की रितु शर्मा पुत्री दयानंद शर्मा को आंध्रा में रहने वाले उचाना कलां के सूरजमल श्योकंद द्वारा 10 हजार की नगद राशि देकर सम्मानित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि एचसीएस परीक्षा में उचाना हलके के चार युवाओं ने परीक्षा पास की है। खटकड़ गांव अभिषेक खटकड़ तो प्रदेश में नंबर वन पर रहा है। उचाना कलां की रितु शर्मा, बधाना का सोमबीर एवं चांदपुर की सुनिधि नरवाला शामिल है। होनहार युवा पूरे क्षेत्र का गौरव है। ऐसे युवाओं पर हर किसी को नाज है। ग्रामीण अंचल के युवाओं ने साबित कर दिया है कि वो शहरी क्षेत्र के युवाओं से किसी मामले में पीछे नहीं है। हमारे बेटे-बेटी भी पढ़-लिख कर बड़े अधिकारी बन रहे है जो भविष्य के लिए अच्छे संकेत है।

13 जुलाई को हरियाणवी साहित्यकारों व कवियों की बैठक होगी

हरियाणवी को संवैधानिक भाषा का दर्जा मिले: डा. विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते धर्मदेव विद्यार्थी।

हरियाणा साहित्य और संस्कृति अकादमी के निदेशक डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति तथा साहित्य विद्याओं का खजाना है। जिसे सहेजने की जरूरत है। हरियाणवी भाषा की एक लिपि तथा वर्णमाला हो। हरियाणी बोलचाल में कोई संकोच नही होना चाहिए। हरियाणवी भाषा को संवैधानिक दर्जा मिले, इसको लेकर अकादमी इस पर मंथन कर रही है। जिसको लेकर 13 जुलाई को अकादमी ने हरियाणवी साहित्यकारों तथा कवियों की बैठक बुलाई है ताकि हरियाणवी भाषा रा'य भाषा बनाने को प्रारूप पर चर्चा की जा सके।

डा. धमदेव विद्यार्थी शनिवार को डीएवी स्कूल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणवी संस्कृति तथा साहित्य विद्याओं से लबरेज है। बस इसे जानने की जरूरत है। पंजाब में पंजाबी, गुजरात में गुजराती, महाराष्ट्र में मराठी समेत अन्य रा'यों में उनकी मां बोली को संविधानिक दर्जा मिला हुआ है। फिर हरियाणवी को क्यों नही। हरियाणा के स्कूलों में भी हरियाणवी भाषा के रूप में पढाया जाना चाहिए ताकि लोग तथा आने वाली पीढ़ी हरियाण के इतिहास, रीति रिवाज, संस्कृति, संस्कार, खान-पान, रहन-सहन, पहनावा, आदर सत्कार के बारे में जान सकें। षि, मुनियों ने तपस्या यहां पर की है तो देश को आजाद करवाने में भी यहा के लोगों ने अपनी अहम भूमिका निभाई है।

हम अपनी मां बोली हरियाणवी भाषा को अनदेखा क्यों कर रहे हैं

न जाने कितनी जानें गंवाई और अपनी शहादत दी है। यहां के किसान, जवान और खिलाड़ियो का कोई मुकाबला नही है। हरियाणवी एक अलग अंदाज है। जिसमें तमाम खूबियां हैं। जो जिंदा दिल इंसान में होती हैं। जिस पर गर्व होता है। हरियाणवी भाषा का प्रयोग हिंदी फिल्मों में भी किया जा रहा है। हरियाणवी भाषा की अपनी पहचान है। जो अपनी छाप छोड़ती है। फिर हम अपनी मां बोली हरियाणवी भाषा को अनदेखा क्यों कर रहे हैं। हरियाणवी भाषा को संविधानिक रूप से रा'य भाषा का दर्जा मिले, इसकी अपनी वर्णमाला तथा लिपि हो इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

कांग्रेस का प्रचार करने वालों से मिले जयप्रकाश

उचाना। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश के लिए प्रचार करने वाले बच्चों से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश मिले। आम आदमी पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान के बेटे विनित चाहर ने जयप्रकाश से मिलते हुए बताया कि चुनाव में कांग्रेस का बच्चों के साथ मिलकर प्रचार किया। बेशक बच्चों के वोट न हो लेकिन अपने माता-पिता को कांग्रेस को वोट देने के लिए कहने के साथ-साथ आस-पड़ोस के लोगों को भी कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित किया था। सांसद जयप्रकाश ने बच्चों की जमकर तारीफ की।

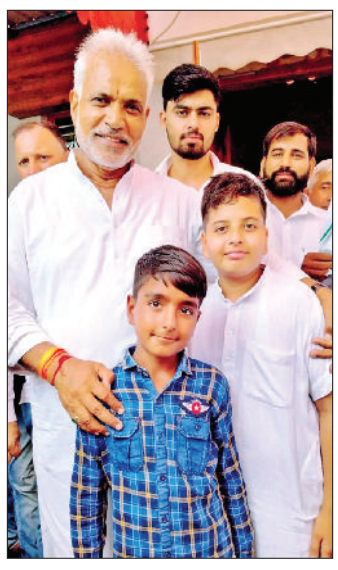

खबर संक्षेप

ऑडिशन में आवेदन करने की अंतिम दिन 15 जुलाई

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित किए जा रहे शास्त्रीय नृत्य, कथक तथा भरतनाट्यम पर आधारित 12 दिवसीय कार्यशाला एवं एक दिवसीय कार्यक्रम ह्यनूपुरह्ल 2024-25 के ऑडिशन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में केवल हरियाणा मूल के युवा व उभरते कलाकार जिनकी आयु 15 से 35 वर्ष हो, भाग ले सकते हैं। उन्होंने शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि शास्त्रीय कत्थक नृत्य तथा भरतनाट्यम ऑडिशन में भाग लेने हेतु कोई यात्रा/दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। आवेदक आवेदन करते समय नाम, विधा, आयु, जन्म तिथि, स्थान (जिला), पिता का नाम, मोबाइल नंबर, ई-मेल सहित भेजें।

विद्यार्थियों को दी जल संरक्षण की जानकारी

कैथल। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजौंद में प्रधानाचार्य भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में यूथ एवं इको क्लब के सात दिवसीय समर कैंप के छठे दिन धर्मेंद्र यादव प्रवक्ता अंग्रेजी ने विद्यालय के विद्यार्थियों को जल को बचाने के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को जल संरक्षण के बारे में भी बताया। धर्मेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को बताया कि वर्षा के जल को संग्रहित करके उसे कैसे कृषि सिंचाई के रूप में उपयोग किया जा सकता है।धर्मेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को बताया की राजस्थान में वर्षा के जल को डिग्गी बनाकर उसमें इकट्ठा कर लिया जाता है और साल भर उसे सिंचाई में उपयोग किया जाता है। इस दौरान विद्यालय में जल को कैसे बचाया जा सकता है यह भी बताया गया। कैंप के आयोजन में क्लब प्रभारी प्रशांत,क्लब निरीक्षक विकास नेहरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गांवों में स्वच्छता के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाएं जाएंगे: नवीन

सांसद नवीन जिन्दल ने मानस रोड कैथल के प्लांट की कार्यप्रणाली का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण करते सासंद नवीन जिंदल। *फोटो : हरिभूमि*

सांसद नवीन जिन्दल ने कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए जो वायदे अपने संकल्प पत्र में किए थे, उनको पूरा करने की मुहिम में सांसद पूरे संसदीय क्षेत्र का दौरा करके विकास कार्यों और संभावनाओं का जायजा ले रहे हैं। इसी के चलते सांसद नवीन जिन्दल ने कैथल के मानस रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। इस सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान, सांसद ने सीवरेज प्लांट के विभिन्न सेक्शनों का निरीक्षण किया और विशेषज्ञों से बातचीत कर, इसकी तकनीकी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल गांवों में गंदे पानी की समस्या का समाधान होगा बल्कि इन प्लांटों पर उपचारित जल का भी दोबारा से कृषि, बागवानी और निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। इस मौके पर सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि आस-पास के गन्दे पानी को उपचारित करने में यह सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने इसकी देखरेख व कुशलतापूर्वक संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों की प्रसंशा की। उन्होंने कहा कि यदि गांवों में छोटे स्तर पर इस प्रकार के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाऐंगे तो इन छोटे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की स्थिति में सुधार होगा और गांवों में गंदे पानी से किसी भी प्रकार के रोगों के फैलने की संभावना भी कम हो जायेगी। सांसद नवीन जिन्दल ने संबंधित अधिकारियों को ऐसे नवाचारों पर भी कार्य करने की सलाह दी जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्लांट के उपचारित पानी से लाभ उठा सके। उन्होंने प्लांट पर इक्टठा होने वाले कचरे के बारे भी विचार विमर्श किया कि उससे कैसे फायदा उठाया जा सकता है। गांवों में गंदे पानी की व्यवस्था के लिए छोटे-छोटे ट्रीटमेंट प्लांटों की उपयोगिता पर भी अधिकारियों से अतिरिक्त जानकारी जुटाई।

भाजपा जिला कार्यालय में संगठनात्मक बैठक आयोजित

विस चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं में पूरा जोश और उत्साह : सुरेंद्र

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने की, मुख्यातिथि के रूप में जिला प्रभारी मनीष यादव ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। अतिथियों का स्वागत करते भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर।

भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने की। बैठक में मुख्यातिथि के रूप में प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर एवं जिला प्रभारी मनीष यादव ने शिरकत की। जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने मुख्यातिथि सुरेंद्र नागर को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। बैठक की शुरूआत भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण करके व दीप प्रज्ज्वलित करके आरंभ की। मुख्यातिथि सुरेंद्र नागर ने आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से बात की। मुख्यातिथि ने कहा की हरियाणा भाजपा के कार्यकर्ता पूरे जोश और उत्साह के साथ विधानसभा के चुनावो की तैयारी में जुटे हुए है। उन्होंने कहा की आज जैसे अन्य दलों से कार्यकर्ता और नेता भाजपा का दामन थाम रहे है। उससे निश्चित तौर पर लग रहा है की भाजपा हरियाणा में तीसरी बार विजय की हैट्रिक लगाने जा रही है। उन्होंने पदाधिकारियों को जीत के लिए मार्गदर्शन भी किया। मुख्यातिथि ने कहा की भाजपा सरकार हर वर्ग का पूरा ध्यान रख कर कार्य कर रही है चाहे वो रोजगार बिजली मकान और अन्य सुविधाओं की बात हो। हर वर्ग भाजपा की जन हिश्षी नीतियों की पूरी पूरी तारीफ करता है। जिससे हमारा कार्य करने का और अधिक हौसला बढ़ता है। भाजपा एक राजनीतिक पार्टी होने के नाते समामजिक संगठन भी है जो समाज के लिए अनेक सामूहिक कार्य करते है। चाहे वो करोना कल में किए गए कार्य हो। भाजपा का कार्यकर्ता पहले राष्ट्र फिर पार्टी और अंतिम में कुछ बचता है तो अपने लिए कार्य करता है। उन्होंने पदाधिकारियों को उनके सुझाव और कार्य की भी समीक्षा की। मुख्यातिथि सुरेंद्र नागर ने आगे कहा की भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म-मानवदर्शन को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। साथ ही पार्टी का अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर है। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, जिन्हें ह्यपंचनिष्ठाह्ल कहते हैं। ये पांच सिद्धांत (पंच निष्ठा) हैं-राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, विधायक लीला राम, जिला प्रभारी मनीष यादव, जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, चेयरमैन कैलाश भगत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राव सुरेंद्र, सुभाष हजवाना, राजपाल तंवर, कुलवंत बाजीगर, रवि तरावली, दिनेश कौशिक, मनीष कठवाड़, सुरेश राविश, अरुण सर्राफ, सुरेश गर्ग, जिला महामंत्री सुरेश संधू, जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित, सह मीडिया प्रभारी भीम सेन अग्रवाल, सुरेश क्योडक आदि मौजूद थे।

दीपेंद्र हुड्डा जनता के सच्चे हितैषी व हमदर्द : प्रदीप

कैथल। कांग्रेसी नेता प्रदीप कुमार चौधरी ग्रामीण लोगों से रूबरू होते हुए।

- बोले-सांसद दीपेंद्र हुड्डा हरियाणा का चमकता सुनहरा भविष्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी सदस्य एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खास समर्थक प्रदीप कुमार चौधरी ने कहा कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा प्रदेश का सुनहरा चमकता भविष्य है और हर वर्ग आशा भरी निगाहों से हुड्डा की तरफ देख रहा है। हुड्डा ही हरियाणा की जनता के सच्चे हितैषी व हमदर्द है, जो दिन रात जनता के हितों की लड़ाई लड़ने के साथ भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों की पोल खोल रहे है। प्रदीप चौधरी हलके के विभिन्न गांवों में कांग्रेस की नीतियों का प्रचार-प्रसार करने के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेसी नेता प्रदीप चौधरी ने कहा कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा की जनता की बुलंद व प्रचंड आवाज बन चुके है, जो सडक से लेकर संसद तक किसानों, जवानों, खिलाड़ियों, कर्मचारियों, व्यापारियों सहित हर आमजनमानस की आवाज को जोर-शोर से उठा रहे है। हुड्डा की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार में हडकंप मचा हुआ है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा के कुशल नेतृत्व में कांग्रेस प्रदेश के हर जिले में दिनोंदिन मजबूत होती जा रही है और हर वर्ग के लोग कांग्रेस से जुड़ रहे है। कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप चौधरी ने कहा कि हरियाणा लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की लोकप्रियता का जादू चलने के साथ अब आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने आमजन विरोधी भाजपा को उसका असल चेहरा दिखाते हुए बड़े-बड़े खोखले दावों की पोल खोलने का काम किया है।

सीवन। कार्यक्रम में अशोक गुर्जर को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते ग्रामीण।

भाजपा ऐसी पार्टी जिसमें कोई भी कार्यकर्ता किसी भी बड़े पद तक जा सकता है : अशोक गुर्जर

सीवन। सीवन में यूवा भाजपा नेता राजपाल तंवर की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ने बतौर मुयातिथि शिरकत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं व उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसमें कोई भी कार्यकर्ता किसी भी बड़े पद तक जा सकता है। इस पार्टी में कार्यकर्ता को पूरा सम्मान मिलता है। यह कोई एक परिवार की पार्टी नहीं है बल्कि सभी कार्यकर्ताओं को मिल कर बना एक परिवार है। इस पार्टी में परिवारवाद का कोई स्थान नहीं है। सभी कार्यकर्ता जी जान से जुट जाएं और पार्टी की नीतियों और सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्षा शैली मुंजाल, सीवन मंडल अध्यक्ष सुभाष शर्मा, रामेश्वर तंवर, पूर्व चेयरमैन संजय सैनी नंबरदार व अन्य मौजूद रहे।

स्पेन में अंडर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी हैंडबॉल चैंपियनशिप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कलायत

कलायत। अंडर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी हैंडबॉल चैंपियनशिप खिलाड़ी गुरमीत को सम्मानित करते पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा 26 से 30 जून 2024 तक स्पेन में अंडर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी हैंडबॉल चैंपियनशिप करवाई गई। इसमें ब्राजील, चिली, फ्रांस, पोलैंड, स्पेन, नीदरलैंड, हॉलैंड, स्वीडन तथा भारत जैसे बड़े-बड़े देशों ने भाग लिया। भारत की इस टीम में शिक्षा भारती विद्या निकेतन कलायत का हैंडबॉल खिलाड़ी गुरमीत गांव सुरता खेड़ा का चयन हुआ जो भारतीय यूनिवर्सिटी टीम का सदस्य था। यह खिलाड़ी इस टीम में गोलकीपर की भूमिका निभा रहा था। हालांकि भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में कोई स्थान हासिल नहीं कर सकी लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी टीमों को कड़ी टक्कर दी।

गौरतलब है कि इस टीम का चयन व प्रशिक्षण शिविर महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी कोट्टायम केरला में लगाया गया था। इस खिलाड़ी ने हैंडबॉल खेल के गुर शिक्षा भारती के मैदान से सीखे तथा भारतीय टीम का हिस्सा बना। गुरमीत एक साधारण परिवार से है पिता किसान तथा माता ग्रहणी है लेकिन खिलाड़ी की सच्ची लगन व मेहनत ही है जो आज इसने यह मुकाम हासिल किया है । स्पेन से लौटकर खिलाड़ी विद्यालय पहुंचा जहां पर एक समारोह में उसे सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अमरदीप भारद्धाज, अधिवक्ता अमनदीप सिंह, मुकेश रानी, सुखबीर सजुमा, गुरदेव, वर्षा रानी, ललित शर्मा, परमजीत, मंजू खुराना , बलबीर शिमला, आदि समस्त अध्यापकगण मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्कूल में मनाया वन महोत्सव सप्ताह

राजौंद। गांव किठाना पब्लिक स्कूल तथा किठाना डिग्री कालेज किठाना में वन महोत्सव सप्ताह का समापन किया गया। इस दौरान स्कूल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। स्कूल के छात्र-छात्राओं को जीवन में पेड़ों का महत्व बताया गया तथा वन संरक्षण का संदेश दिया। छात्र छात्राओं द्वारा गीत माध्यम से ना काटो मुझे ने नृत्य की प्रस्तुति से पेड़ों की पीढ़ा को अभिव्यक्त किया गया तथा वन संरक्षण का महत्व बताया। इसके साथ ही स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम के तहत स्कूल की ओर से पौधे लगाए गए तथा उनकी सुरक्षा व देखभाल का संकल्प भी लिया। स्कूल के चेयरमैन रामफल ढांडा ने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। उन्होंने छात्र छात्राओं को पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

एक दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया

कलायत। ग्रीष्म अवकाश समाप्त होते ही शिक्षा विभाग ने स्कूलों में गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसके तहत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल और राजकीय माडल संस्कृति स्कूल में एक दिवसीय एनएसएस कैंप का आयोजन हुआ। कन्या स्कूल के शिविर में मुख्य मेहमान के रू में प्रधानाचार्य सुरेंद्र दहिया ने राज सिंह, निर्मला देवी, बृजपाल राणा और दूसरे शिक्षकों के साथ शिरकत की। जबकि माडल स्कूल में प्रधानाचार्य सुनीता देवी ने प्राध्यापक प्रकाश रवि गर्ग, सतबीर ढुल, नरेंद्र कुमार, अनिल मोर, सुमन, आशा व अन्य शिक्षकों के साथ पौधा-रोपण, सफाई और जल संरक्षण का संदेश दिया। दोनों शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों ने एनएसएस के लक्ष्यों की स्वयं सेवकों को क्रमवार जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में नागरिकों को जहां अधिकार हासिल हैं वहीं देश सेवा के लिए कर्तव्यों का निर्वहन भी करना होता है।

विद्यार्थियों को नशा न करने बारे किया जागरूक

- पौधे लगाकार पर्यावरण संरक्षण का भी दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

एसआई कर्मबीर सिंह,एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही रीतु तथा होमगार्ड गुरदेव की टीम द्वारा कैथल में विभिन्न जगह आमजन सहित विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ साथ पुलिस टीम द्वारा अनेक स्थानों पर पौधे लगाकार आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस टीम द्वारा जानकारी दी गई कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा शरीर में रोगों तथा आपराधिक गतिविधियों की जड़ है। नशा का सेवन करने वाला व्यक्ति समाज में अपना मान सम्मान खो देता है। नशा से आर्थिक नुकसान के साथ साथ शारीरिक नुकसान भी होता है। इस बुराई के खिलाफ सामाजिक आंदोलन चलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे के धंधे में लिप्त कुछ लोग चंद पैसे कमाने के चक्कर में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे है जोकि सरासर गलत है जिसको कदापि सहन नहीं किया जाएगा। हमें युवा वर्ग को नशे की चपेट में आने से बचाना होगा ताकि उनका जीवन भविष्य खराब ना हो। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि नशे के खिलाफ इस युद्ध में पुलिस का साथ दे।

गरीब परिवारों को सब्सिडी पर दिया जाएगा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ: प्रशांत पंवार

डीसी प्रशांत पंवार

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरूआत की जा चुकी है। इसके तहत हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 1.10 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। इस योजना से पर्यावरण को फायदा मिलेगा। डीसी प्रशांत पंवार ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि जिस परिवार की सालाना आय 1 लाख 80 हजार रुपये तक है, ऐसे परिवारों को 2 किलोवाट तक सौलर पैनल लगवाने पर 60 हजार रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा तथा 50 हजार रुपये तक की अतिरिक्त सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत लगाए जाने वाले सोलर पैनल की उत्पादन क्षमता 300 यूनिट मासिक तक है। डीसी ने बताया कि इसी तरह जिन परिवारों की सालाना आय 1.80 लाख से 3 लाख रुपये तक है, ऐसे परिवारों को 2 किलोवाट तक सोलर पैनल लगवाने पर 60 हजार रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा तथा 20 हजार रुपये तक की अतिरिक्त सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी।

छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने की ली शपथ

विद्यार्थियों ने चलाया 'ऊर्जा बचाओ पर्यावरण बचाओ' अभियान

- पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए नवीनतम ऊर्जा के स्रोतों का प्रयोग करना चाहिए : प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजौंद

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीर बांगडा मे चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर के पांचवें दिन प्रार्थना सभा में दिनांक 5 जुलाई 2024 को सर्वप्रथम पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सभी छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों द्वारा शपथ ली गई की हम अपने पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रखेंगे तथा इसके लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसके बाद पंचायत समिति प्रतिनिधि संजीव कुमार ने ऊर्जा बचाओ अभियान के तहत एक व्याख्यान दिया और बताया कि हम किस प्रकार से ऊर्जा को बचा सकते हैं। विद्यालय प्राचार्य सुरेंद्र कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं का आह्वान किया की हमें अपने पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों जैसे थर्मल एनर्जी,परमाणु ऊर्जा जैसे ऊर्जा के स्रोतों से जो ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं।उससे हमारे पर्यावरण को बहुत अधिक नुकसान हो रहा है हमें अपने पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को छोड़कर अन्य ऊर्जा स्रोतों,जैसे सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा एवं अन्य हरित ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग करना चाहिए। क्योंकि यह स्रोत कभी खत्म नहीं होने वाले तथा इसे कोई पर्यावरण को नुकसान भी नहीं है। अतः हम सभी को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए इन नवीनतम ऊर्जा के स्रोतों का प्रयोग करना चाहिए। प्राचार्य ने बताया कि सौर ऊर्जा का प्रयोग करके हम अपनी जरूरत के लिए पर्याप्त बिजली बना सकते हैं। भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार अपने घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए अनुदान भी प्रदान करती है। भारत में सौर ऊर्जा का एक अपार भंडार है। क्योंकि भारत में पूरे वर्ष भर में लगभग 11 महीने सूर्य की धूप चमकती है,इस सूर्य की धूप का प्रयोग बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर कर सकते हैं। भारत के राजस्थान और गुजरात प्रांत में बड़े सौर ऊर्जा के संयंत्र लगे हुए हैं, साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों पर तथा समुद्र के किनारों के आसपास के क्षेत्र में हम पवन ऊर्जा संयंत्र भी लगा सकते हैं। इससे हमारे भविष्य की बहुत अधिक ऊर्जा की जरूरत को हम पूरा कर सकते हैं।

चौकी किठाना पुलिस ने नशा तस्कर सहित सप्लायर को किया गिरफ्तार

- आरोपियों से 51.55 ग्राम चरस तथा 4 हजार रुपये ड्रगमनी बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। चौकी किठाना पुलिस गिरफ्त में दोनों नशा तस्कर।

चौकी किठाना पुलिस द्वारा नशा तस्कर और सप्लायर को काबू कर लिया गया। उनके कब्जे से 51.55 ग्राम चरस तथा 4 हजार रुपए ड्रगमनी बरामद हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चौकी किठाना पुलिस के एएसआई दलबीर सिंह की टीम शुक्रवार को शाम के समय गश्त दौरान जींद कैथल रोड़ किठाना पर मौजूद थी, जहां पर पुलिस पार्टी को गुप्त सूत्रों से खुफिया सूचना मिली कि जिला करनाल के असंध निवासी आशिष बाइक पर मादक पदार्थ सुल्फा लेकर किठाना से होते हुए थुआ की तरफ जाएगा, जिसको नाकाबंदी करके मादक पदार्थ सुल्फा सहित काबू किया जा सकता हैं। जो सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस द्वारा मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए रोहेड़ा रोड़ किठाना अनाज मंडी के पास नाकाबंदी शुरू करके वाहनों की चेकिंग शुरू की गई। कुछ समय बाद किठाना से रोहेड़ा की तरफ आए प्लेटिना बाइक पर सवार संदिग्ध आशीष कुमार उपरोक्त को काबू कर लिया गया।

खबर संक्षेप

सिरसाखेड़ी में पहुंची इनेलो नेत्री सुनैना चौटाला

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के सिरसा खेड़ी गांव में इनेलो नेत्री सुनैना चौटाला पहुंची। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सुनैना चौटाला ने कहा कि इनेलो का संगठन बुथ स्तर तक मजबूत है। इनेलो पार्टी में कार्यकर्ताओं को पूरा मान सम्मान मिलता है। भाजपा सरकार ने कर्मचारी, व्यापारी, मजदूरों और किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ किया है। प्रदेश की जनता भाजपा की नीतियों के चलते दुखी और त्रस्त है। विस चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाने का काम करेगी।

मकान से 50 हजार रुपये चोरी

कैथल। सीवन में चोर एक मकान से 50 हजार रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव फिरोजपुर निवासी बलजिंद्र सिंह ने सीवन थाना में शिकायत दी कि वह इस समय सीवन में रहता है। पांच जुलाई को उनका परिवार घर से बाहर गया हुआ था। इस दौरान अज्ञात आरोपी उनके घर से 50 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

जमीन पर अवैध कब्जा करने में तीन पर केस

कैथल। जमीन पर अवैध कब्जा करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गांव रामगढ़ पांडवा निवासी ओमी देवी ने कलायत थाना में शिकायत दी कि सात मई को आरोपी कर्मबीर, जगबीर व कुलदीप ने उनकी एक एकड़ से ज्यादा जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया।

बरसात के मौसम में पौधे लगाने जरूरी

जींद। युवा विकास समिति ने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान के दूसरे दिन चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी की पुलिस चौकी में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। अध्यक्ष प्रदीप रेढू व महासचिव विनोद शर्मा ने बताया कि समिति के द्वारा साप्ताहिक पौधारोपण अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान के शनिवार को दूसरे दिन पुलिस चौकी में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए।

कार की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र घायल

कैथल। गांव जगदीशपुरा के पास कार चालक ने मोटरसाइकिल सवार पिता-पुत्र को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अर्जुन नगर कैथल निवासी अमन ने सदर थाना में शिकायत दी कि दो जुलाई को वह अपने पिता रमेश के साथ मोटरसाइकिल पर गांव क्योडक गया था। जब वे वापस आ रहे थे और जगदीशपुरा के नजदीक पहुंचे तो पिहोवा की ओर से आ रहे थे।

पहली मेरिट लिस्ट में निर्धारित सीटों पर 70 प्रतिशत विद्यार्थियों का नाम आया

यूजी कोर्स की मेरिट लिस्ट में नाम आने वाले विद्यार्थी नौ तक फीस भरें

उच्चतर शिक्षा विभाग ने यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर पहली मेरिट लिस्ट कर दी जारी राजकीय पीजी कॉलेज में बीए आर्ट्स संकाय में उच्चतम मेरिट लिस्ट 106.40 प्रतिशत पहुंची।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। मैरिट लिस्ट में अपना स्थान देखते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

उच्चतर शिक्षा विभाग ने यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। अब जिन विद्यार्थियों का नाम पहली मेरिट लिस्ट में आया है, वह विद्यार्थी नौ जुलाई तक अपनी फीस जमा करवा कर अपना एडमिशन सुनिश्चित कर सकते हैं। राजकीय महाविद्यालय में दाखिला प्रक्रिया को पूरा करवाने के लिए स्टाफ की स्पेशल ड्यूटी लगा दी है। जो विद्यार्थी जिस भी संकाय में दाखिला लेना चाहता है वो उच्चतर शिक्षा निदेशालय के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए निर्धारित समय में फीस अवश्य भरे। इसके बाद दस जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी और फाइनल मेरिट लिस्ट 11 जुलाई को जारी होगी। मेरिट लिस्ट में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थी 13 जुलाई तक फीस भर सकेंगे। पहली व दूसरी मेरिट लिस्ट के बाद भी अगर कॉलेजों में सीट खाली रह जाती हैं तो 16 जुलाई को फिजिकल काउंसलिंग होगी। रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 17 जुलाई को दोबारा से पोर्टल खोला जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी 17 जुलाई से लेकर 23 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिला ले सकते हैं। इसके बाद भी खाली सीट रहने पर 24 जुलाई से लेकर 30 जुलाई तक 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से लेट फीस के साथ दाखिला ले सकते हैं।

दाखिले के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य: विद्यार्थियों को दाखिले के लिए 12वीं कक्षा के दस्तावेजों के साथ परिवार पहचान पत्र भी अनिवार्य होगा। नई शिक्षा नीति पर आधारित विद्यार्थी अपने पसंदीदा विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थियों की सहायता के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने 1800-180-2133 टोल फ्री नंबर जारी किया है। उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी प्रथम मेरिट लिस्ट के तहत राजकीय पीजी कॉलेज में बीए आर्ट्स संकाय में उच्चतम मेरिट लिस्ट 106.40 प्रतिशत, बीसीए संकाय में 101.60 प्रतिशत, बीए हिस्ट्री में उच्चतम मेरिट लिस्ट 106.40 प्रतिशत तक रही। इस बार दाखिले को लेकर जद्दोहद रहेगी। जिलेभर के 17 राजकीय व निजी कॉलेज और सीआरएसयू में मिलाकर लगभग साढ़े 11 हजार सीट हैं। जबकि इस बार 12वीं कक्षा से हरियाणा विद्यालय बोर्ड व सीबीएसई से लगभग साढ़े 16 हजार विद्यार्थी पास आउट हुए हैं।

पहली व दूसरी मेरिट लिस्ट के बाद भी सीटें रिक्त बची तो होगी फिजिकल काउंसलिंग

पहली व दूसरी मेरिट लिस्ट के बाद भी अगर कॉलेजों में सीट खाली रह जाती हैं तो 16 जुलाई को फिजिकल काउंसलिंग होगी। रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 17 जुलाई को दोबारा से पोर्टल खोला जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी 17 जुलाई से लेकर 23 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिला ले सकते हैं। इसके बाद भी खाली सीट रहने पर 24 जुलाई से लेकर 30 जुलाई तक 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से लेट फीस के साथ दाखिला ले सकते हैं।

बीए आर्ट्स संकाय में 335 विद्यार्थियों का नाम आया

ज्यादातर कॉलेजों में पहली मेरिट लिस्ट में निर्धारित सीटों पर 70 प्रतिशत विद्यार्थियों का नाम आया है। जैसे शहर के राजकीय महिला कॉलेज में बीए आर्ट्स संकाय में निर्धारित 400 सीट पर पहली मेरिट लिस्ट में 335 विद्यार्थियों का नाम आया है। वहीं बीकॉम संकाय में निर्धारित 240 सीट पर 104, बीए अंग्रेजी में निर्धारित 40 सीट पर 32, बीए 'योग्राफी में 40 सीट पर 35, बीसीए में 60 सीट पर 58, बीएसी लाइफ साइंस में 60 सीट पर 57, बीएससी फिजिकल साइंस में 160 सीट पर 108 व बीएससी फिजिक्स में 30 सीट पर 18 विद्यार्थियों का नाम मेरिट लिस्ट में आया है। ऐसे में अगर विद्यार्थी निर्धारित समय में अपनी फीस जमा करवा दाखिला सुनिश्चित करते हैं तो कॉलेजों में पहली मेरिट लिस्ट के बाद ही 70 प्रतिशत सीट भर जाएंगी। इसके बाद दस जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी और फाइनल मेरिट लिस्ट 11 जुलाई को जारी होगी। मेरिट लिस्ट में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थी 13 जुलाई तक फीस भर सकेंगे।

कैथल। आरकेएसडी कालेज में दखिले के लिए उमड़े विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए उमड़े विद्यार्थी

■ आरकेएसडी में हुए करीब 60 दाखिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरकेएसडी कॉलेज कैथल में विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विद्यार्थी पहुंचे। कल ही पहली मेरिट सूची जारी हो गई थी। लेकिन यह देरी से आई, इसलिए कल दाखिला प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई। लेकिन आज सुबह से ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी दाखिले के लिए आने लगे। कॉलेज के रामकृष्ण हॉल में प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों से संबंधित डेस्क के साथ-साथ चालान जनरेट करने के डेस्क भी स्थापित कर दिए गए हैं। अब विद्यार्थियों को अपने दाखिले या अन्य किसी पूछताछ के लिए केवल एक ही स्थान यानी कॉलेज के मुख्य हॉल में आना होगा। यह पहली मेरिट सूची दाखिले के लिए 9 जुलाई तक मान्य है और उसके बाद दूसरी मेरिट सूची आएगी। बहुत से विद्यार्थियों को अभी भी कॉलेज के चुनाव, विषय और मेरिट सूची में नाम, कॉलेज बदलने आदि को लेकर संशय है। इन विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज के मुख्य हॉल में स्थापित हेल्प डेस्क पर जाएं। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने बताया कि कॉलेज में दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है और यह सुचारु रूप से चल रही है। डॉ. गोयल ने बताया कि कॉलेज के मुख्य हॉल में स्टाफ तैनात है, जो विद्यार्थियों की मदद कर रहा है। संयोजक डॉ. सूरज वालिया ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत दाखिलों को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह है और चूंकि कल अवकाश है, इसलिए भीड़ दिखी।

दाखिला प्रक्रिया के लिए स्पेशल ड्यूटी लगाई : मलिक

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में मैरिट लिस्ट को चस्पा कर दिया गया है। कोई भी छात्र आकर मैरिट लिस्ट को देख सकता है। इसके अलावा दाखिला प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए स्टाफ की स्पेशल ड्यूटी लगा दी गई हैं। उच्चतर शिक्षा निदेशालय के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए छात्र अपनी फीस तय समय में भर कर दाखिला सुनिश्चित कर लें।

खोखली घोषणाओं ने बढ़ाई लोगों की समस्याएं: माजरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

■ इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने बोला हमला

इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव को देखते हुए सरकार झूठी घोषणाएं कर वाहवाही लूटना चाहती है। जमीनी हकीकत यह है कि इन घोषणाओं पर कोई काम नहीं हो रहा। अपने आवास पर कार्यकताअरं की बैठक में माजरा ने कहा कि मुख्यमंत्री चुनाव को देखते हुए हर रोज नई घोषणाएं कर रहे हैं। हालात ये हैं कि जो अधिकारी कर्मचारी लोगों के पहले चक्कर कटवा रहे थे, वही अधिकारी व कर्मचारी इन समाधान शिविरों में बैठकर लोगों की समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। जिस कारण लोगों में भाजपा सरकार के प्रति रोष बढ़ रहा है। एक भी घोषणा अभी तक जमीनी स्तर पर लागू नहीं हुई। सरकार की घोषणा थी कि जमीनों की रजिस्टरी अब एनडीसी की जरूरत नहीं रहेगी, आज तक इस घोषणा पर काम नहीं हो रहा। बेरोजगारी में प्रदेश नंबर वन हो गया है।

हसनपुर में चलाया गया एंटी लार्वा एक्टिविटी अभियान

■ दूर होगी डेंगू की बीमारी, जब होगी हम सबकी भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

हसनपुर गांव में लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

जिले में जुलाई महीने को एंटी डेंगू माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी सदंर्भ में शनिवार को नगूरां पीएचसी की स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा के नेतृत्व में हसनपुर, नगूरां, शाहपुर, रायचंदवाला, दिल्लूवाला समेत विभिन्न गांवों में लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक किया। लोगों को जागरूक करते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने कहा कि डेंगू को भगाने के लिए हम सब की भागीदारी जरूरी है। डेंगू एडिज मच्छर के काटने से फैलता है। डेंगू में व्यक्ति को बहुत तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, मासपेंशियों और जोड़ों में तेज दर्द होता है। जिसके कारण हडडी तोड़ बुखार कहा जा सकता है। डेंगू बुखार में उल्टी, जी घबराना और शरीर पर खसरे जैसे दाने निकल आते हैं। यही नहीं कई बार खून के साथ उल्टी भी आ सकती है। एंटी डेंगू माह का उद्देश्य विशेष रूप से जनजाति आबादी, घूमंतू आबादी, बार्डर एरिया तथा अत्याधिक डेंगू प्रभावित क्षेत्र, गर्भवती महिलाएं और बच्चों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जिला मलेरिया अधिकारी ने सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों, प्राइवेट अस्पताल तथा लैब संचालकों को डेंगू मलेरिया का पॉजीटिव केस आने की सूचना तुरंत प्रभाव से स्वास्थ्य विभाग को देने के आदेश दिए हुए हैं ताकि समय रहते बीमारी पर नियंत्रण किया जा सके। स्वास्थ्य निरीक्षक ने कहा कि प्रत्येक रविवार को अपने घर में सूखा दिवस मनाएं व सभी पानी के बर्तनों, कूलर, टंकी, फ्रीज की ट्रे, घरों की छत, गमले आदि को खाली करके सूखाएं ताकि मच्छर के अंडे व लारवा मर जाएं। घरों के आसपास गंदे पानी की नालियों में काला तेल, डीजल अवश्य डाले ताकि मच्छर के अंडे व लारवा मर जाएं।

लंबित मांगों को लेकर एमपीएचडब्ल्यू वर्ग लामबंद

जींद। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा की पानीपत में हुई बैठक में लाजवंती बेवाल को प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में महासचिव हरिनिवास ने शिरकत की और कहा कि सरकार द्वारा लंबित मांगों को लेकर लगातार अनदेखी की जा रही है। आगामी लड़ाई के लिए पूर्व राज्य प्रधान लाजवंती को राज्य संयोजक की जिम्मेदारी देते हुए लंबित मांगों के लिए लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया। संयोजन कमेटी में लाजवंती बेवाल को राज्य संयोजक, महासचिव हरिनिवास, मुकेश चौहान, सुरेश कटारिया, सुदेश रानी जींद, बबिता सोनीपत व संदीप कुंडू कमेटी के सदस्य नामित किए गए। मूल वेतनमान 4200 ग्रेड एवं भत्तों का लाभ देने एसमाप्त पदों को बहाल करवाने व खाली पदों पर नियमित भर्ती करने, प्रमोशन व कन्फर्मेशन की सूची हो जारी।

70 से ज्यादा लड़कियों में मिली खून की कमी

■ 20 से ज्यादा लोगों में मधुमेह के लक्षण पाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। छात्राओं में एचबी की जांच करते स्वास्थ्य कर्मी। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद जयंती शाखा के सहयोग से शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 750 से ज्यादा लोगों विशेष कर छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। जांच शिविर में 70 से 'यादा लड़कियों मे खून की कमी पाई और 20 से 'यादा लोगों में मधुमेह के लक्षण पाए गए। जिनको जांच शिविर के दौरान ही डा. निशा शर्मा व डा. 'योति द्वारा उपचार किया गया और अपनी नियमित जांच करवाने के लिए प्रेरित करने का कार्य किया। सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल के मार्गदर्शन में लगाये गये स्वास्थ्य जांच शिविर में जहां छात्राओं में खून की कमी को विशेषकर जांचा गया, वहीं पर आम नागरिकों में खून की कमी के साथ-साथ शुगर, बीपी आदि की भी जांच की गई। स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों में खून की कमी का आंकलन करते हुए जांच शिविर लगाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन जांच शिविरों में लोगों को अपना समय पर इलाज करवाने के साथ-साथ खान पान का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।

हमेटी में प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण संपन्न

जींद। हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान हमेटी जींद में भारत सरकार के क्षेत्रीय विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी के सहयोग से चल रहा चार दिवसीय प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के समापन पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्राकृतिक खेती के दीन दयाल उपाध्याय उत्कृष्टता केंद्र में बागवानी विशेषज्ञ डा. सुरेश धानिया बतौर मुख्यअतिथि व डॉ॰ राजेश लाठर बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित हुए। डा. सुरेश ने बताया कि फल व सब्जी हमारे भोजन का एक आवश्यक हिस्सा है लेकिन आजकल फलों व सब्जियों में अत्यधिक रसायनिक कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है।

वर्दी व उपकरण उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

सफीदों। चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कर्मचारी।

सफीदों। हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) के तहत लगे कर्मचारियों ने वर्दी, जूते व सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर नागरिक अस्पताल सफीदों के चिकित्सा अधिकारी डा. प्रतीक गौरा को एक ज्ञापन सौंपा। संदीप, सुरेंद्र, दिनेश, कुलदीप, अनिल, शुभम, दीपक, सुनील सहित अनेक कर्मचारियों ने ज्ञापन में कहा कि स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक द्वारा 1 सितंबर 2022 को पत्र जारी करके आदेश जारी किए गए थे कि एचकेआरएनएल के प्रदेश के सभी कर्मचारियों को वर्दी, जूते व सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाएं जाएं।

विद्यार्थियों की प्रगति का लेकर शिक्षकों के साथ बैठक

सफीदों। सफीदों के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पीटीएम का आयोजन किया गया। सैंकड़ों की संख्या में अभिभावकों ने बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर योगेंद्रपाल सिंह ने की। बैठक में छात्रों की नियमित उपस्थिति, सदन की ड्रेस , स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, निपुण लक्ष्य, छात्रों की प्रगति, यूनिट टेस्ट, मासिक फीस, छात्रों की कॉपी का मूल्यांकन, नशाखोरी, अच्छे संस्कार, छात्र संख्या बढ़ाने, टैबलेट का सही उपयोग, पौधारोपण, फास्ट फूड से दूरी समेत अनेक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अध्यापक अभिभावक परिषद के अध्यक्ष मोहनलाल व एसएमसी अध्यक्ष अजीत सिंह ने भी अभिभावकों को संबोधित किया। अभिभावकों ने कक्षा इंचार्ज व संबंधित विषय अध्यापकों से बच्चों के यूनिट टेस्ट के अंक प्राप्त किए।

13 को सीएम आवास घेरेंगे कंप्यूटर लैब सहायक

जींद। निजी कंप्यूटर लैब सहायक वैलफेयर की रा'य स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता रा'य प्रधान लैब सहायक करमजीत संधू ने की। सरकार द्वारा मांगें नहीं मानें जाने से नाराज कंप्यूटर लैब सहायकों ने 13 जुलाई को करनाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव का फैसला लिया। इससे पहले प्रदेश भर के 2200 कंप्यूटर लैब सहायक कर्ण पार्क में एकत्रित होंगे। इसके बाद यहां से मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच करेंगे। वैलफेयर के जिला प्रधान सोनू दुग्गल ने कहा कि कंप्यूटर लैब सहायकों को करनाल से मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला द्वारा 25 जनवरी को मुख्यमंत्री से मिलवाने का लिखित में समय दिया गया था लेकिन आज तक मुख्यमंत्री से नहीं मिलवाया गया। इससे लैब सहायकों में भारी रोष बना हुआ है। लैब सहायक सरकारी स्कूलों में पिछले 13 वर्षों से कार्य कर रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

भाविप शाखा ने राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बेलरखा का शैक्षणिक भ्रमण किया

अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने और रखरखाव के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। बेलरखां गांव में शैक्षणिक भ्रमण करते शाखा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद शाखा नरवाना के सम्मानित सदस्यों द्वारा नरवाना क्षेत्र के गांव बेलरखा में स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल के प्राचार्य बलजीत गोयत के विशेष आमंत्रण पर एक शैक्षणिक दौरा किया। परिषद परिवार के सदस्यों द्वारा इस दौरान गांव में स्थित फुटबॉल नर्सरी में पौधारोपण भी किया गया। स्कूल के लगभग 800 बच्चों और 70 से ऊपर स्कूल स्टाफ और ग्राम पंचायतो व केंद्र स्तर के नए प्रकल्प पर्यावरण को भारत विकास परिषद शाखा नरवाना द्वारा पर्यावरण और आम जनता को जोड़ने का कार्य किया। खेल नर्सरी बेलरखा में 51 पौधे किए गए रोपित। नरवाना शाखाध्यक्ष संजय सिंगला व सचिव राजेश टांक ने संयुक्त रूप में बताया कि परिषद परिवार द्वारा पर्यावरण बचाने हेतु एक पौधारोपण कार्यक्रम शुरू किया हुआ है जिसके तहत आम जनता को ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस कड़ी में इस अभियान से पांचवीं बार गांव बेलरखा के राजकीय संस्कृत मॉडल स्कूल में शैक्षणिक भ्रमण और पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। परिषद परिवार द्वारा आम जनता को पर्यावरण बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है और अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने और उनके रखरखाव हेतु प्रेरित किया जा रहा है। अपने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान परिषद परिवारके सदस्यों ने राजकीय संस्कृत मॉडल स्कूल की लेबोरेट्री, डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, केमिस्ट्री लैब, सभी कक्षाओं में पढ़ाई व्यवस्थ, स्कूल की साफ सफाई, पेड़ पौधों के रखरखाव और अन्य व्यवस्थाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्त्रम के समापन पर परिषद परिवार द्वारा स्कूल के प्राचार्य बलजीत गोयत का परिषद परिवार द्वारा इस शैक्षणिक भ्रमण हेतु विशेष धन्यवाद किया गया तथा प्राचार्य और स्टाफ द्वारा भारत विकास परिषद नरवाना शाखा को पुष्पगुच्छ और मोमेंट देकर विशेष सम्मान दिया गया ।

इस दौरान भारत विकास परिषद शाखा नरवाना के अध्यक्ष संजय सिंगला, सचिव राजेश टांक, कोषाध्यक्ष जयपाल बंसल, उपाध्यक्ष संपर्क विकास मित्तल ,शाखा संरक्षक डॉक्टर विनोद गुप्ता,प्रांतीय संगठन सचिव सुरेश मित्तल , प्रकल्प प्रमुख नवीन सिंगला , मोनिका सिंगला ,डॉ सुमन भार्गव, सदस्या मीनू टांक,जयंती एवं बलिदान दिवस संयोजक विशाल मित्रा , शिक्षक प्रदीप जागलान , प्रवक्ता हरदीप , प्रदीप मलेठिया और राजकीय स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जुलाई 2024

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिंदगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिंदगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

{ टेक्नोबिहेवियर / डॉ. मोनिका शर्मा }

पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

{ लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' }

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

{ व्यंग्य / सतीश उपाध्याय }

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

जगन्नाथ रथ-यात्रा को भारतीय धर्म-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है और यह यात्रा पुरी नगर के बाहर से आने वाले लोगों को भी सामूहिक आनंद और भक्ति का अनुभव कराती है। प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह में आयोजित होने वाली इस यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। आस्था-भक्ति का यह आयोजन अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है।

भक्ति-संस्कृति का संगम

जगन्नाथ रथ-यात्रा

धार्मिक आयोजन / अलका 'सोनी'

भक्ति और प्रेम में असीम शक्ति होती है। इससे वशीभूत होकर स्वयं भगवान भी खिंचे चले आते हैं। हमारे देश में तो भक्तों की अपने आराध्य भगवान से अनोखे रिश्ते की परंपरा रही है। यहां हम अपने भगवान को कभी झूला झुलाते हैं तो कभी रथ पर बिठाकर प्रेम से भ्रमण कराते हैं। इसके लिए पथ बुहारने का काम राजे-महाराजे करते रहे हैं। ऐसे ही अपने आराध्य प्रभु जगन्नाथ के रथ को अपने हाथों से खींचते हुए भ्रमण कराना अद्भुत अनुभव देता है। माना जाता है कि जिसे रथ खींचने का सुअवसर मिलता है, वो सौभाग्यशाली होता है। वैसे तो रथ-यात्रा मूलतः ओडिशा का त्योहार है। लेकिन अब पूरे देश में श्रद्धालु प्रेमपूर्वक भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलरामजी की रथ-यात्रा निकालते हैं।

हिंदू धर्म में विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ, श्रीकृष्ण के एक रूप माने जाते हैं और भगवान विष्णु के अवतारों में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार माना जाता है। इसलिए उनकी यात्रा को भी श्रद्धालुओं द्वारा अत्यधिक आदर और भक्ति के साथ पर्व के रूप में मनाया जाता है। रथ- यात्रा की परंपरा सदियों पुरानी है और इसे भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। इसकी जड़ें इतिहास में गहराई तक फैली हुई हैं, जो इसे विशेष बनाती हैं। जगन्नाथजी की रथ यात्रा ना केवल भारत में बल्कि विश्व भर में प्रसिद्ध है और हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होने के लिए आते हैं।

सदियों पुरानी परंपरा

इतिहासकारों की मानें तो रथ-यात्रा की परंपरा, 12वीं सदी में शुरू हुई थी। हालांकि इस बारे में कुछ कथाएं भी प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, जब राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी की मूर्तियां बनवाईं तो रानी गुंडिचा ने मूर्तियां बनाते हुए मूर्तिकार विश्वकर्मा और मूर्तियों को देख लिया, जिस वजह से मूर्तियां अधूरी ही रह गईं। तब आकाशवाणी हुई कि भगवान इसी रूप में स्थापित होना चाहते हैं। इसके बाद राजा ने इन्हीं अधूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित करवा दिया। उस वक्त आकाशवाणी हुई कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी जन्मभूमि मथुरा जरूर आएंगे। स्कंद पुराण के उत्कल खंड के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रभु के उनकी जन्मभूमि जाने की व्यवस्था की। तभी से यह परंपरा रथ-यात्रा के रूप में चली आ रही है।

इस यात्रा से संबंधित दूसरी कहानी देवी सुभद्रा से जुड़ी है। पद्म पुराण के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने अपने प्रिय भाई से नगर देखने की इच्छा जताई। तब जगन्नाथ जी ने अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली छोटी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाया और नगर दिखाने के लिए निकल पड़े। यह घटना आषाढ़ के दिनों की है। इसी भ्रमण के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्रजी और सुभद्राजी अपनी मौसी के घर गुंडिचा भी गए थे। अपनी मौसी के घर इन तीनों ने सात दिनों तक ठहर कर विश्राम किया था। उसी मान्यता के अनुसार आज भी यह यात्रा सात दिन बाद तीनों के वापस जगन्नाथ मंदिर में आने के बाद ही समाप्त होती है।

यात्रा के विभिन्न चरण

यह संपूर्ण यात्रा, रथयात्रा, गुंडिया यात्रा और निलाद्री विजय यात्रा के तीन अवस्थाओं में विभाजित होती है। इस यात्रा के लिए तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं, जिन्हें लकड़ी से बनाया जाता है। ये रथ अत्यधिक भव्यता से सजाए जाते हैं और इन्हें खींचने के लिए हजारों भक्त एकत्रित होते हैं। 'नंदिघोष' नामक रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। तालध्वज नामक रथ पर बलभद्र जी और देवदलन नामक रथ पर सुभद्रा जी विराजमान होती हैं। इस यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा को मंदिर से एक मार्ग द्वारा पुरी के गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। यह यात्रा की प्रारंभिक अवस्था होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को उनके विशेष रथों में स्थानांतरित किया जाता है। यह रथ-यात्रा भरपूर धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न की जाती है। इसमें हजारों लोग भाग लेते हैं, जो रथ को खींचते हैं और उसे पुरी नगर तक ले जाते हैं।

दूसरी अवस्था गुंडिया यात्रा की होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के दर्शन के लिए एक विशेष गुंडीया में वापस लाए जाते हैं। इसमें उनकी विशिष्ट पूजा-अर्चना की जाती है। उनके दर्शन करने के लिए भक्तों का एक खास आयोजन होता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था निलाद्री विजय यात्रा या बहुदा यात्रा होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को जगन्नाथ मंदिर में वापस ले जाया जाता है। इस अवस्था में विभिन्न पूजा-अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और भक्तों को भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जुड़ी हैं कई मान्यताएं

भक्ति, प्रेम और उपासना के साथ-साथ इस रथ-यात्रा के अन्य महत्त्व भी हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा में शामिल होता है, उसके जीवन में सभी दुख-दर्द खत्म हो जाते हैं। साथ ही भूल से हुए अपराधों के लिए भक्त क्षमा मांगकर अपने जीवन का नया अध्याय भी शुरू करते हैं। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद भक्तों को सुख-शांति के साथ अपना जीवन जीने के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि जो लोग भी सच्चे भाव से इस यात्रा में शामिल होते हैं, उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस यात्रा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस रथ-यात्रा में शामिल होने का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी में हम कई बार अपने कुछ प्रयासों में नाकामयाब हो जाते हैं। ऐसे में निराश होने, मन में नकारात्मक भाव लाने और हार मानने की बजाय कुछ सकारात्मक सोचें और आगे बढ़ें तो सफल जरूर होंगे।

नाकामी से ना हों निराश

सीखें कुछ सकारात्मक

हालांकि हममें से अधिकतर लोग बुरे वक्त और असफलता से बचना चाहते हैं। लेकिन देखा जाए तो इसमें भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक होते हैं, जो ना सिर्फ ताउम्र याद रहते हैं बल्कि जीवन के लिए बेहद उपयोगी भी साबित होते हैं। इसलिए नाकामयाबी को भी एक संदेश की तरह स्वीकार करें।

सुधार का अवसर मानें: कोई नहीं जानता कि कब नाकामी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन नाकामी को अपनी गलतियां पहचानने और उन्हें दूर करके अपनी कार्यशैली या आदतों में सुधार का अवसर समझें। समझदार लोग विफलताओं से ज्ञान हासिल करते हैं और इस ज्ञान को सफलता हासिल करने में इस्तेमाल करते हैं। याद रखें, हर नाकामी आपको एक नया अनुभव और सबक देती है, जो आपको अधिक ताकतवर और समझदार बनाते हैं।

गलतियां दोहराने से बचें: आप जब भी किसी लक्ष्य को हासिल करने में नाकामयाब हों तो उसे हासिल करने के प्रयासों का शुरू से लेकर आखिर तक पूरा आकलन करें। एक बार जब आप आत्मसमीक्षा करने और अपनी गलतियों को पहचानने में कामयाब हो जाएंगे तो आप भविष्य में उन गलतियों को दोहराने से बच सकेंगे।

नाकामी जीवन का हिस्सा: इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो कभी असफल नहीं हुआ होगा। दुनिया के सफलतम और सबसे प्रतिभाशाली लोगों ने भी अपने जीवन में कई बार विफलताओं का सामना किया है। हर असफलता के बाद आपको भी यह ध्यान रखना है कि यह जीवन का एक हिस्सा है और अब आपको विराम नहीं बल्कि दोबारा नए सिरे से कोशिश करनी है।

लक्ष्य की राह में मील का पत्थर: जब आप नाकामी के प्रति अपना नजरिया बदल लेते हैं और इसे दिल पर लेना छोड़ देते हैं तो विफलताएं आपकी राह में मील का पत्थर साबित होने लगती हैं। 'फीलिंग फॉरवर्ड' नामक चर्चित पुस्तक में जॉन सी मैक्सवेल ने यही लिखा है, 'जब आप ऐसा समझ लेते हैं तो अधिक उत्साह से अवसरों का सामना करते हैं और हार का डर आपके दिमाग से निकल जाता है। आप अपने सारे प्रयास समझ-बूझकर करते हैं और सफलता ज्यादा आसान हो जाती है।'

खुद पर भरोसा रखें: यह एक सामान्य सी बात है कि गलती या नाकामी की स्थिति में आपको अपने परिजनों, बॉस या सहकर्मियों से कुछ ताने सुनने पड़ सकते हैं। लेकिन ऐसे में खुद को अपमानित महसूस करना या दूसरों को दोष देना सही नहीं है। इससे पहले कि आपकी भावनाएं आप पर हावी हों, धैर्यपूर्वक सोचें कि आखिर आप चाहते क्या हैं? सबसे बड़ी बात यह है कि आप खुद पर भरोसा करें कि आप चाहेंगे तो इसे जरूर कर लेंगे, बस आपका काम बन जाएगा।

बहाने ना बनाएं: कामयाब ना होने के पीछे सबसे बड़ी प्रवृत्ति है बहाने बनाना। कई लोग एक-दो प्रयासों में असफल होने के बाद बहाने बनाने लगते हैं, 'क्या करें लोग साथ नहीं देते...' या 'हमारी तो किस्मत ही साथ नहीं देती है।' ऐसा ना करें। हम सब जानते हैं कि बिना मेहनत किए हम सफल नहीं हो सकते। यदि आप वाकई सफल होना चाहते हैं तो पूरी शिद्दत से अपने कर्म में जुट जाएं और तब तक जुटे रहें जब तक कि आप कामयाब ना हो जाएं। *

जैसे दुनिया में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है, वैसे ही एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट और कीमती व्यंजनों की दुनिया भर में उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ की कीमत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। कुछ ऐसे ही महंगे फूड-आइटम्स पर एक नजर।

सोने-चांदी की तरह महंगे हैं ये फूड

रोचक
अंजू जैन

अकसर हम महंगाई की चर्चा करते हैं और आटा, तेल, नमक, दाल, सब्जियों जैसी रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने पर चिंता जताते हैं। लेकिन दुनिया के कुछ खास हर्ब्स, फल, सब्जियों और मिठाइयों की कीमत इतनी ज्यादा है कि उनके बारे में जानकर आप चौंक जाएंगे। ऐसे ही कुछ फूड आइटम्स पर एक नजर-

व्हाइट अल्बा ट्रफल: यह गुंथे हुए आटे या कुछ-कुछ अदरक जैसी दिखती है। यह एक प्रकार की फंगस (कवक) है, जो दुनिया की सबसे महंगी हर्ब मानी जाती है। यह दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में पाई जाती है। इसका रंग क्रीम वाइट या लाइट पिंक होता है। इसका स्वाद ताजे अदरक और चीज जैसा लगता है। इसकी गंध और स्वाद दोनों तीखे होते हैं। इसे उगाना बहुत कठिन होता है और यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती है, इसीलिए यह इतनी महंगी होती है। इसकी कीमत प्रति किलो एक करोड़ रुपए तक हो सकती है।

मात्सुके मशरूम: यूं तो दुनिया में कई तरह के मशरूम पाए जाते हैं, लेकिन मात्सुके मशरूम

इनसे बिल्कुल अलग होता है। इसकी कीमत प्रति किलो 80 हजार रुपए तक हो सकती है। यह मशरूम जापान के अलावा यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में ज्यादा पाया जाता है। इसे

सोने की मिठाई

यूएई का दुबई शहर ऐश्वर्य, वैभव और विलासिता के लिए जाना जाता है। यहां शानदार होटल से लेकर लाजवाब फूड्स तक हर वो चीज मौजूद है, जो आपको हैरानी में डाल सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुबई के एक रेस्टोरेंट में सोने की मिठाई परोसी जाती है। दुबई के रेस्टोरेंट 'जो जू' में स्वीट डिश सोने की एक परत के साथ सर्व की जाती है। इस रॉयल मिठाई की चर्चा पूरी दुनिया में है। इस सोने की मिठाई की कीमत प्रति पीस करीब 25 डॉलर यानी इंडियन करेंसी में 2 हजार रुपए से कुछ अधिक होती है।

जापानी लोग खूब पसंद करते हैं। इनसे बनने वाले व्यंजन गाढ़े, रेशेदार और स्पाइसी होते हैं।

कोपी लूवक: यह दुनिया की सबसे महंगी कॉफी है। इसे सिर्फ इंडोनेशिया में ही उगाया जाता है। कॉफी के शौकीन टूरिस्ट, इस कॉफी को टेस्ट करने के लिए खासतौर पर इंडोनेशिया आते हैं। लेकिन इसका स्वाद वही चख सकता है, जो शौकीन होने के साथ-साथ अमीर भी हो, क्योंकि इसके एक पौंड यानी लगभग 450 ग्राम की कीमत होती है लगभग 1 लाख 25 हजार रुपए।

जापानी काला तरबूज: गर्मी के मौसम में आम और खरबूजे के साथ-साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला फल तरबूज होता है। आमतौर पर आप तरबूज 30 से 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदते होंगे। लेकिन हम कहें कि एक ऐसा भी तरबूज होता है जिसकी कीमत 45 लाख रुपए प्रति किलो है, तो आप शायद यकीन नहीं करेंगे। जी हां, यह अनोखा काला तरबूज, सिर्फ जापान में ही उगाया जाता है। चूंकि इसका उत्पादन बहुत कम होता है, इसलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा होती है।

मूस चीज: यह एक खास प्रकार का चीज है, जो स्वीडन में मिलता है। गधी के दूध से बनने वाला मूस चीज, दुनिया के सबसे महंगे फूड आइटम्स की सूची में शामिल है। इसे मई से सितंबर के बीच में तैयार किया जाता है। इसके शौकीन लोग प्रति किलो 90 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक की कीमत चुका कर भी इसका स्वाद लेने से पीछे नहीं हटते। *

'कॉमेडी क्वीन' के नाम से मशहूर भारती सिंह ने अपने टैलेंट, मेहनत और लगन के बल पर टीवी इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट हो रहे कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' होस्ट कर रही हैं। इस शो, अपनी अब तक की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बेबाक बातचीत भारती सिंह से।

मैंने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया: भारती सिंह

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

पचासी किलो वजन और पांच फीट हाइट के साथ पंजाब से आईं गोल-मटोल भारती सिंह ने कभी भी नहीं सोचा था कि उनका हैवी वेट, जो उनकी कमजोरी है, वही उनकी ताकत बन जाएगा। अपना ही मजाक उड़ाकर सबको हंसाने वाली भारती सिंह आज, टेलीविजन इंडस्ट्री और ग्लैमर वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। टीवी शोज के अलावा भारती कुछ फिल्मों में भी नजर आई हैं। इन दिनों कलर्स पर प्रसारित हो रहे शो 'लाफ्टर शेफ्स' को लेकर **भारती सिंह** चर्चा में हैं। पेश है, उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

कलर्स के कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में आप बतौर एंकर कितना एंज्वॉय कर रही हैं? इस शो को लेकर आपके कैसे एक्सपीरियंस हैं?

बहुत ही मजेदार एक्सपीरियंस हैं। मैं यह शो बहुत एंज्वॉय कर रही हूं। एक्चुअली, इस शो में मेरे दो फेवरेट काम हैं- खाना और हंसना। मुझे लगता है, मैं बहुत लकी हूं कि मुझे अपने दोनों पसंदीदा काम करने का मौका मिल रहा है। साथ में उस काम का पैसा भी मिल रहा है।

इस शो में एंकरिंग के दौरान क्या खास सीखने को मिला?

'लाफ्टर शेफ्स' शो जज एवं कंटेस्टेंट्स के साथ भारती

इस शो में मुझे तरह-तरह की वैरायटी वाला खाना बनाने का ज्ञान प्राप्त हो रहा है। वैसे तो मुझे सिर्फ देसी खाना ज्यादा अच्छा बनाना आता है, लेकिन इस शो में मुझे कई तरह की डिशेज सीखने का मौका मिला, जैसे-नूडल्स, केक, बर्गर एक्सेक्ट्रा। हर्ष (पति) और गोला (बेटा) दोनों ही खाने के शौकीन हैं। इसलिए इस शो से सीखकर मैं अपने ही हाथ से उनको अलग-अलग वैरायटीज के पकवान बनाकर खिला पाऊंगी।

'लाफ्टर शेफ्स' शो के जज हरपाल सिंह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा। हरपालजी अच्छे शेफ होने के साथ-साथ एक अच्छे, खुश-मिजाज इंसान भी हैं। हम दोनों मिलकर कंटेस्टेंट्स की एक्टिविटीज का बहुत मजा लेते हैं। हरपालजी को कृष्णा, कश्मीरा, सुदेश की मस्तियां देखकर बहुत ज्यादा मजा आता है।

आज आपने स्टैंड-अप कॉमेडियन और एंकर के रूप में टीवी इंडस्ट्री में जो स्थान बनाया है, वह कितना ईजी और टफ रहा?

आसान पहले भी नहीं था और आसान आज भी नहीं है। जिन हालातों में मैंने अपना करियर शुरू किया था, उस दौरान मेरा लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन-सा था। एक तो मेरा वजन ज्यादा था, कद भी छोटा था और मेरे पास किसी की कोई बैकिंग भी नहीं थी। बस इतना ही था कि मुझे अपनी काबिलियत पर भरोसा था। शुरुआत में मुश्किलें तो खूब आईं, लेकिन हजार कठिनाइयों के बावजूद मैंने कभी हार नहीं मानी। मैंने अपनी ही कमजोरी को अपनी ताकत बनाया, अपने मोटापे का मजाक उड़ाकर मैंने सबको खूब हंसाया। इसीलिए आज मैं यहां हूं। मैंने जो नाम, शोहरत और पैसा कमाया है, उसको बरकरार रखने के लिए भी बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

आप टीवी पर पहले से ही बहुत व्यस्त थीं, बावजूद उसके आपने यू-ट्यूब चैनल भी शुरू किया। क्या इसके पीछे की वजह और ज्यादा पैसा कमाना है?

यू-ट्यूब से जुड़ने के पीछे एक वजह लॉक डाउन के बाद टीवी इंडस्ट्री की आर्थिक स्थिति खराब होना भी रही। पहले अपने शोज में मुझे जितने पैसे मिलते थे, आज उसके आधे मिलते हैं। मेकर्स के पास आज इतना बजट ही नहीं है कि वे हमको ज्यादा पैसे दे सकें। यू-ट्यूब चैनल में अच्छी कमाई हो जाती है। साथ ही यह अपने फैंस के साथ लगातार जुड़े रहने का एक अच्छा माध्यम भी है। यही वजह है कि हमने यू-ट्यूब पर 'भारती टीवी पॉडकास्ट', 'एल-ओ-एल (लाइफ ऑफ लिंबाचिया)' और खुद का ब्लॉग भी शुरू किया, जो बहुत ही मजेदार है।

फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग नजर आती है। सलमान, शाहरुख से लेकर अक्षय कुमार, रणबीर कपूर तक आप सभी हीरोज के साथ मस्ती-मजाक और फ्लर्ट करती नजर आती हैं। ऐसे में आपके पति हर्ष का क्या रिएक्शन होता है?

मैं जो भी करती हूं, उसमें हर्ष की सहमति होती है (हंसते हुए)। हर्ष पर्सनली खुद भी बहुत मस्ती-खोर है। दरअसल उसकी लिखी हुई स्क्रिप्ट पर ही मैं एक्ट करती हूं। ये एक्टर्स और हर्ष दोनों ही जानते हैं कि मेरा हीरोज के साथ रोमांस और फ्लर्ट करना सिर्फ दर्शकों के मनोरंजन के लिए होता है। इसलिए बॉलीवुड हीरोज और हर्ष दोनों ही मेरे मस्ती भरे रोमांस को एंज्वॉय करते हैं। *

मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है

भारती सिंह अपने बेटे गोला से बहुत प्यार करती हैं। ऐसी भी चर्चा है कि वे दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रही हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, पूछने पर भारती कहती हैं, 'अरे नहीं! अभी तो एक ही नहीं संभल रहा मुझसे। एक्चुअली मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है, उसको पूरा घर मिलकर भी नहीं संभाल पाता। मैं गोला से बहुत प्यार करती हूं। जब कभी शूटिंग की वजह से घर पहुंचने में लेट होता है तो मैं उससे वीडियो कॉल पर बात जरूर करती हूं। फिलहाल तो गोला के साथ ही बिजी हूं, दूसरे बच्चे के बारे में मैं नहीं सोच रही हूं। मुझे दूसरा बच्चा चाहिए, लेकिन अभी नहीं। कुछ समय बाद ही दूसरे बच्चे की प्लानिंग करूंगी।'